राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 18 जुलाई 2024 वर्ष–7,अंक–175 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

13 महामंडलेश्वर निष्कासित, कुंभ मेले में नहीं मिलेगा स्थान

नई दिल्ली । 2025 में आयोजित होने वाले महाकुंभ की तैयारी शुरू हो गई हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने 13 महामंडलेश्वरों और संतों को कुंभ मेले से निष्कासित करने का निर्णय लिया है।112 साधु संतों को नोटिस जारी किए गए हैं। जिनसे 30 जुलाई के पहले स्पष्टीकरण मांगा गया है। जो महामंडलेश्वर और साधु संत वित्तीय गड़बड़ियों में लिप्त पाए गए हैं। उन्हें निष्कासित कर दिया गया है। निष्कासित साधु संतों को 2025 में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी के अनुसार जिन महामंडलेश्वर और साधु संतों की जांच की गई थी। उसमें 6 संत आंतरिक जांच में दोषी पाए गए हैं। अखाड़ा परिषद समय-समय पर संतों की गतिविधियों पर जांच कराता रहता है।

संतो को नोटिस

अखाड़ा परिषद ने जूना अखाड़े के 54, निरंजनी अखाड़े की 24, निर्मोही अखाड़े के 34 संतो सहित 13 महामंडलेश्वर, 24 मंडलेश्वर और महंत संतो को नोटिस जारी किए हैं।

निष्कासित महामंडलेश्वर

नासिक के महामंडलेश्वर जयेंद्रानंद दास, चेन्नई के महामंडलेश्वर हरेंद्रानंद अहमदाबाद के महंत रामदास उदयपुर के महंत अवधूतानंद और कोलकाता के महंत विजयेश्वर दास इसमें शामिल है।

कर्नाटक में डेंगू का कहर,8 की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक में डेंगू बड़ी तेजी के साथ फैल रहा है। 10000 से ज्यादा डेंगू के मरीज जांच में पाए गए हैं। इनमें से कई गंभीर मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। कर्नाटक में एक ही दिन में 487 डेंगू के नए मरीज मिले हैं। इनमें से 128 मरीजों को अस्पतालों में भर्ती किया गया है। जहां पर उनका इलाज किया जा रहा है। अभी कर्नाटक के अस्पतालों में 358 मरीज भर्ती हैं। इस वर्ष डेंगू के आठ मरीजों की मौत हो चुकी है।हासन और शिव मोगा में 2-2, धारवाड़, हावेरी,मैसूरू और बीबीएमपी में एक एक मरीज की मौत हुई है।डेंगू का सबसे ज्यादा कहर चिकमगलूर, मैसुरू, हावेरी, मांड्या तथा धारवाड़ जिलों में देखने को मिला है। राज्य शासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू के रोकथाम के लिए विशेष प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

जयपुर संभाग में चला महा वृक्षारोपण अभियान

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत शिक्षा विभाग द्वारा जयपुर संभाग में एक ही दिन में नौ लाख 92 हजार 241 वृक्षारोपण किये गए है। संभागीय आयुक्त डॉ. आरुषि मलिक ने बताया कि अभियान के तहत जयपुर जिले में 50 हजार 104, जयपुर ग्रामीण जिले में एक लाख 45 हजार, दौसा जिले में तीन लाख 45 हजार 243, अलवर जिले में तीन लाख 26 हजार 978, कोटपूतली-बहरोड़ जिले में 81 हजार 923, खैरथल-तिजारा जिले में 23 हजार 953 एवं दूदू जिले में 19 हजार 40 वृक्षारोपण किये गए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में वृक्षों की कमी एवं बढ़ते तापमान को देखकर मानसून के मौसम में राज्य सरकार द्वारा सघन वृक्षारोपण किया जा रहा है। वृक्षारोपण अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए राजकीय विद्यालयों में अधिकाधिक वृक्षारोपण करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारियों को कह गया था। अभियान के तहत वन विभाग को आवश्यकतानुसार पौधे उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गए थे। इतना ही नहीं वृक्षारोपण के बाद संबंधित अधिकारियों को ही पौधे की सुरक्षा एवं पर्याप्त जलापूर्ति की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

कर्नाटक में निजी क्षेत्र की कंपनियों में स्थानीय लोगों को 100 फीसदी आरक्षण

सरकार के फैसले पर निजी कंपनियों ने खड़े किए सवाल

बेंगलुरु । कर्नाटक में जल्द ही निजी क्षेत्र की सी और डी कैटेगरी की नौकरियों में स्थानीय लोगों को 100 फीसदी आरक्षण मिलेगा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि मंत्रिमंडल ने निजी क्षेत्र में ग्रुप सी और डी के पदों पर कन्नड़ लोगों के लिए 100 प्रतिशत आरक्षण लागू करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि, हम कन्नड़ समर्थक सरकार हैं। हमारी प्राथमिकता कन्नड़ लोगों के कल्याण का ध्यान रखना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की इच्छा है कि कन्नड़ लोगों को कन्नड़ भूमि में नौकरियों से वंचित न होना पड़े और उन्हें अपनी मातृभूमि में आरामदायक जीवन जीने का अवसर दिया जाए। कर्नाटक कांग्रेस सरकार का बिल कहता है कि अब राज्य में काम करने वाली निजी कंपनियों को अपने यहां भर्तियों में कन्नड़ लोगों को प्राथमिकता देनी होगी। इस बिल को गुरुवार को विधानसभा में पेश किया जाएगा। ग्रुप डी कैटेगरी में आने वाली नौकरियों में ड्राइवर, चपरासी, क्लीनर, माली, गार्ड, बार्बर और रसोइया आते हैं। जबकि ग्रुप सी में सुपरवाइजर, क्लर्क असिस्टेंट,स्टेनोग्राफर, टैक्स असिस्टेंट, हेड क्लर्क, मल्टी टॉस्किंग स्टाफ, स्टोर कीपर, कैशियर जैसी नौकरियां आती हैं। इस बिल में स्थानीय को परिभाषित करते कहा गया है कि स्थानीय वे है, जो कर्नाटक में जन्मा हो, 15 वर्षों से राज्य में निवास कर रहा हो। यदि पर्याप्त संख्या में स्थानीय अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं हैं, तब कंपनियां नियम के प्रावधानों में छूट के लिए सरकार से आवेदन कर सकती हैं।

शंभू बॉर्डर खोलने की डेडलाइन खत्म

किसान करेंगे दिल्ली कूच, 15 अगस्त को देश भर में ट्रैक्टर मार्च

चंडीगढ़ ।

पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर को खोलने के हाईकोर्ट के आदेश की डेडलाइन आज खत्म हो रही है। अभी तक बॉर्डर को खोलने की कोई पहल सरकार की तरफ से नहीं की गई है। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। वहीं फरवरी से डटे किसानों ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली कूच का एलान कर दिया है। संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक के सदस्य जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि वह शंभू सीमा खुलते ही दिल्ली के लिए कूच कर देंगे। 15 अगस्त को ट्रैक्टर मार्च निकालने का भी फैसला लिया गया है। यह ट्रैक्टर मार्च देश भर में निकाला जाएगा।

नई मांग नहीं, वादे पूरा करे सरकार

किसान आंदोलन के दौरान वाटर कैनन बॉय के नाम से मशहूर हुए नवदीप जलबेड़ा को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से नियमित जमानत मिलने के बाद किसान नेताओं ने बुधवार को अंबाला एसपी कार्यालय के घेराव का फैसला टाल दिया है। डल्लेवाल ने बताया कि उनके पास छह महीने का राशन है। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की है कि उनको जंतर-मंतर या दिल्ली के रामलीला मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अनुमति दी जानी चाहिए। अगर रास्ते में कहीं भी सरकार ने रोकने का प्रयास किया तो वे वहीं पर धरना शुरू कर देंगे। इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से सरकार की होगी। डल्लेवाल ने कहा कि वे यह कूच ट्रैक्टर ट्रॉलियों के साथ करेंगे, क्योंकि बारिश, गर्मी व सर्दी से बचने के लिए उनके पास एकमात्र विकल्प ट्रॉली ही होती है। उन्होंने कहा कि वे केंद्र सरकार से कोई मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि सरकार ने जो वादे किए थे, उनको पूरा करवाने के लिए ही आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बॉर्डर खोलने के लिए तैयार नहीं हो रही है। हरियाणा सरकार के रास्ता न खोलने पर व्यापारियों को भी किसानों का साथ देने के साथ भाजपा के खिलाफ आंदोलन करना चाहिए। 300 मीटर पंजाब की तरफ बॉर्डर का एरिया पड़ता है, इसलिए बॉर्डर खोलने का आदेश पंजाब सरकार के लिए भी है।

22 जुलाई को दिल्ली में होगा सम्मेलन

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) एवं किसान मजदूर मोर्चा का साझा सम्मेलन नई दिल्ली में 22 जुलाई को होगा। दोनों मोर्चों ने राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत विपक्ष के तमाम नेताओं से मुलाकात के लिए पत्र लिखा है और उनसे मुलाकात करके संसद के आगामी सत्र में एमएसपी गारंटी कानून समेत किसानों की तमाम मांगों पर प्राइवेट बिल लाने की मांग की जाएगी। आने वाले दिनों में हरियाणा में घर-घर जाकर दोनों मोर्चों के पदाधिकारी किसानों व मजदूरों को जागरूक करेंगे। 15 सितंबर को हरियाणा में राष्ट्रीय स्तर की किसान महापंचायत की जाएगी, जिसमें लाखों किसान शामिल होंगे।

अंबाला में धारा 163 लागू

अंबाला की जिला उपायुक्त डॉ. शालीन ने जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लगा दी है। इन आदेशों के तहत पांच या इससे ज्यादा व्यक्तियों के एकत्रित होने पर पाबंदी रहेगी। एसपी कार्यालय के 200 मीटर के दायरे में भीड़ एकत्रित नहीं हो सकेगी। ये आदेश 17 जुलाई से आगामी दो माह तक लागू रहेंगे। दातासिंहवाला बॉर्डर पर किसानों की सक्रियता बढ़ने लगी है। 17 और 18 जुलाई के अंबाला एसपी कार्यालय के घेराव को लेकर पंजाब के बठिंडा व सिरसा से एक हजार किसानों का जत्था पहुंच चुका है।

कांग्रेस ने कर्नाटक में पिछड़े वर्गों से आरक्षण छीनकर मुसलमानों को दे दिया - अमित शाह

चंडीगढ़ ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के महेंद्रगढ़ में कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक में पिछड़े वर्गों से आरक्षण छीनकर मुसलमानों को दे दिया। अगर वो हरियाणा में सत्ता में आती है तो यहां भी ऐसा ही करेगी। एक ओबीसी सम्मान सम्मेलन में शाह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से ही पिछड़े वर्गों के खिलाफ रही है। 1957 में ओबीसी आरक्षण के लिए काका कालेलकर आयोग का गठन किया गया था, लेकिन कांग्रेस ने इसे सालों तक लागू नहीं किया।

अमित शाह ने कहा कि 1980 में इंदिरा गांधी ने मंडल आयोग को ठंडे बस्ते में डाल दिया। 1990 में जब इसे पेश किया गया तो राजीव गांधी ने दो घंटे 43 मिनट का भाषण देकर ओबीसी आरक्षण का विरोध किया। अमित शाह ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने ही पूरे देश को बताया कि उनकी सरकार दलितों, गरीबों और पिछड़ों की सरकार है। अमित शाह ने कहा, भाजपा ने देश को पहला सशक्त पिछड़ा वर्ग का प्रधानमंत्री देने का काम किया है। केंद्र में 71 में से 27 मंत्री पिछड़ा वर्ग से हैं। गृह मंत्री ने ओबीसी समुदाय के लिए प्रधानमंत्री के कामों को गिनाया और कहा कि उन्होंने विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में उनके लिए आरक्षण सुनिश्चित किया।

गृहमंत्री ने कहा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम हरियाणा में मुस्लिम आरक्षण नहीं होने देंगे। उन्होंने कांग्रेस नेता और दो बार मुख्यमंत्री रह चुके भूपेंद्र हुड्डा को चुनौती देते हुए कहा, मैं एक-एक पाई का हिसाब लेकर आया हूं, आंकड़ों के साथ मैदान में आएं।

ज्ञात रहे कि हरियाणा में अक्टूबर में चुनाव हो सकते हैं। भाजपा यहां अकेले चुनाव लड़ने वाली है। उसकी नजर पिछड़े वर्ग को लुभाने पर है, जिनकी राज्य में 27 फीसदी हिस्सेदारी है। तीन सप्ताह से भी कम समय में अमित शाह का यह दूसरा हरियाणा दौरा है। इससे पहले गृह मंत्री का स्वागत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उनके कैबिनेट सहयोगियों ने किया।

आरक्षण के मुद्दे पर गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर कांग्रेस पार्टी ने पलटवार किया है। कांग्रेस ने टीडीपी के आंध्रप्रदेश में आरक्षण पॉलिसी का जिक्र किया जिसमें मुसलमानों को भी आरक्षण देने की बात है। कांग्रेस ने कहा कि अमित शाह को आंध्रप्रदेश जाना चाहिए।

शरद पवार ने भतीजे अजित की एनसीपी में लगाई बड़ी सेंध

चार बड़े नेता शरद पवार गुट में लौटे मुंबई

मुंबई । अजित पवार गुट से इस्तीफा देने के एक दिन बाद बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कई नेता और पार्षद शरद पवार खेमे में लौट आए। पुणे में शरद पवार के आवास पर एनसीपी के पूर्व पिंपरी-चिंचवाड़ इकाई के प्रमुख अजीत गव्हाणे उन नेताओं में शामिल थे, जो उनके गुट में शामिल हुए। राकांपा की पिंपरी-चिंचवाड़ इकाई के तीन अन्य वरिष्ठ नेता- राहुल भोसले, पंकज भालेकर और यश साने- जिन्होंने मंगलवार को पार्टी छोड़ दी थी, वे भी संस्थापक खेमे में शामिल हो गए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एनसीपी (शरद पवार गुट) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा कि शरद पवार पिछले 60 वर्षों से महाराष्ट्र और केंद्र में विकास के लिए काम कर रहे हैं और यहां तक कि विपक्ष के लोग भी उनकी ओर बड़ी उम्मीद से देखते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पार्टी में कई लोगों के अलग-अलग अनुभव हैं। हमने हमेशा सुनिश्चित किया है कि विकास की हमारी विचारधारा मजबूत रहे। पवार साहब (शरद पवार) पिछले 60 वर्षों से महाराष्ट्र और केंद्र में विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

भुजबल बदलेंगे पाला: एनसीपी (अजित पवार) नेता छगन भुजबल ने एनसीपी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार से मुंबई में उनके आवास 'सिल्वर ओक' पर अचानक मुलाकात की। उनके बीच बंद दरवाजे के पीछे डेढ़ घंटे तक चर्चा हुई। सियासी गलियारों में इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे है। अटकलें लग रही हैं कि महाराष्ट्र के मंत्री और सीनियर एनसीपी नेता छगन भुजबल अजित पवार का साथ छोड़ सकते हैं।

अग्निवीर पर हरियाणा सरकार का बड़ा ऐलान

पुलिस की नौकरी में मिलेगा 10 फीसदी आरक्षण

नई दिल्ली ।

हरियाणा सरकार ने अग्निवीर को लेकर बड़ा ऐलान किया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि अग्निवीरों को पुलिस भर्ती और माइनिंग गार्ड की भर्ती में 10 फीसदी का आरक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा ग्रुप सी और सी में 3 साल की आयु सीमा में छूट दी जाएगी। हरियाणा सरकार ने ग्रुप सी पदों पर भर्ती में अग्निवीर के लिए 5 फीसदी आरक्षण की घोषणा की है। वहीं जो अग्निवीर चार साल बाद खुद काम शुरू करना चाहेगा उसे काम शुरू करने के लिए सरकार 5 लाख तक का बिना ब्याज लोन देगी।

अग्निपथ योजना पर संसद में उठा था मुद्दा

हरियाणा सरकार की ये घोषणा उस वक्त हुई है जब हाल ही में संसद में अग्निपथ योजना का मुद्दा उठा था। लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना का हवाला देते हुए कहा था कि मैं अग्निवीर के परिवार से मिला हूं। केंद्र सरकार अग्निवीर को शहीद का दर्जा नहीं

देती है। अग्निवीर यूज एंड थ्रो मजदूर हैं। इस योजना को लेकर जवानों के मन में भय है। मोदी जी इन जवानों को शहीद नहीं मानते हैं। इस पर राजनाथ सिंह ने राहुल के अग्निपथ सैन्य भर्ती योजना के दावों का खंडन करते हुए कहा था कि योजना को 158 संगठनों से सुझाव लेने के बाद शुरू किया गया था।

महाराष्ट्र सरकार लाई लाडला भाई योजना

12वीं पास को 6 हजार, ग्रेजुएट को 10 हजार रुपए महीना मिलेंगे

मुंबई ।

लाडली बहन योजना की तर्ज पर महाराष्ट्र सरकार ने लाडला भाई योजना का ऐलान किया है। इस योजना के तहत 12वीं पास विद्यार्थियों को 6000 रुपये, डिप्लोमा धारकों को 8000 रुपये और ग्रेजुएट की डिग्री प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों को हर महीने 10,000 रुपये दिए जाएंगे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस योजना की घोषणा की है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने हाल ही में युवा बेरोजगारी का मुद्दा उठाया था जिसके बाद सरकार ने लाडला भाई योजना की घोषणा की है।

सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि सरकार की नजर लडका-लडकी में फर्क नहीं है, यह योजना बेरोजगारी का समाधान लाएगी।

लाडला भाई योजना में युवाओं को फैक्ट्रियों में अप्रेंटिसशिप मिलेगी और सरकार की तरफ से उन्हें वजीफा दिया जाएगा। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने 27 जून को अपने बजट में लाडली बहन योजना यानी मुख्यमंत्री माझी लडकी बहन योजना की घोषणा की थी। बजट में महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये देने की घोषणा की गई है। ये भत्ता 21 से 60 वर्ष तक की महिलाओं को दिया जाएगा। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री अजीत पवार ने विधानसभा में राज्य का 2024-25 का बजट पेश करते हुए जानकारी दी थी कि लाडली बहन योजना को जुलाई महीने से लागू कर दिया जाएगा। माना जा रहा है कि लाडला भाई योजना भी इसी महीने से लागू हो सकती है।

उद्धव ठाकरे कहा था- लडक़ों के बारे में भी सोचिए

इस घोषणा के बाद शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बेरोजगार युवाओं का मुद्दा उठाया था। उद्धव ठाकरे ने कहा था, मुख्यमंत्री माझी लडक़ी बहन योजना आपको मिल गई लेकिन आप हमारे लडक़ों के बारे में भी सोचिए। राज्य में आज कई युवा बेरोजगार हैं, राज्य के विकास और रोजगार के लिए कोई योजनाएं नहीं हैं। बजट केवल आगामी चुनावों के लिए है, अच्छे दिन कहां हैं, यह सब जुमला है।

चार राज्य में फैला चांदीपुरा वायरस....

100 में से 70 बच्चों की हो जाती हैं मौंत

नई दिल्ली ।

देश के चार राज्यों में खतरनाक देसी वायरस चांदीपुर ने अपने पांव पसार लिए हैं। जिससे मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी पुणे को अलर्ट पर रखा गया है। एम्स में पीडियाट्रिक विभाग के पूर्व एचओडी डॉ. एम बाजपेयी ने बताया कि इस वायरस के चपेट में आने से 100 में से 70 बच्चों की मौत हो सकती है। डॉ बाजपेयी ने कहा कि इसमें मोर्टेलिटी 56 से 70 फीसदी तक है। डॉ. बाजपेयी ने बताया कि वायरस में बहुत कम समय में यानी की 24 से 48 घंटे में मृत्यु हो सकती है। इसलिए जरूरी यह है कि हाइजीन का ध्यान रखें। फुल स्लीव्स वाले कपड़े पहने। मच्छरों से बचे। जैसे ही लक्षण होता है अस्पताल तुरंत जाएं। इसमें कोई एंटी वायरस थैरेपी नहीं होती है। डॉ.बाजपेयी ने कहा कि जैसे फ्लू के साधारण लक्षण होते हैं इसमें भी लगभग वहीं लक्षण दिखाते हैं, जैसे कि बुखार आता है, सिरदर्द होता है, डायरिया हो सकता है, दौरे भी पड़ सकते हैं, यह ब्रेन को बहुत ही जल्दी पकड़ता है। बहुत जल्दी बच्चा कोमा में चला जाता है और मौत तक हो सकती है।

इसलिए इस मौसम में इस तरह के लक्षण आने पर उसे हल्के में ना लें। गुजरात में अपने पांव पसारने के बाद चांदीपुरा वायरस ने महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश के बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया है। सभी बच्चों के खून के सैंपल पुणे की राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान

संस्थान भेजे गए हैं। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा है कि जहां चांदीपुर वायरस के फैलाव सामने आया है वहां अब तक 8600 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। यहां पूरे इलाके को 26 जोन में बांटा गया है।

संविधान हत्या दिवस की आवश्यकता क्यों?

मृत्युंजय दीक्षित

कुछ लोग संविधान हत्या दिवस नामकरण का विरोध कर रहे हैं कि यह नाम उचित नहीं है जबकि यह नाम पूरी तरह से सही भी है और एकदम सटीक भी क्योंकि कांग्रेस लगातार संविधान की हत्या ही करती आ रही है। 6 दिसंबर 1992 को अयोध्या के विवादित ढांचे के टूट जाने के बाद भाजपा शासित चार राज्यों की चुनी हुई सरकार को बिना कारण बर्खास्त कर दिया गया था। शिवसेना नेता संजय राऊत तो दो कदम आगे निकलकर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल विहारी वाजपेयी पर ही आरोप लगा रहे हैं कि वह भी आपातकाल लगा सकते थे। संजय राऊत यह बात भूल गए हैं कि यह अटल जी ही हैं जिन्होंने गठबंधन राजनीति में भी शुचिता की पराकाष्ठा स्थापित की और किसी भी प्रकार का गलत गठबंधन नहीं किया, अपितु अपनी सरकार के एक वोट से गिरने पर सीधे इस्तीफा देने राष्ट्रपति भवन चले गये थे।

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के नेतृत्व में इंडी गठबंधन ने एक झूठा नैरेटिव व्यापक स्तर पर चलाया था कि अगर केंद्र में नरेन्द्र मोदी इस बार 400 सीटों के साथ सरकार बनाने में सफल हो जाते हैं तो संविधान बदल दिया जाएगा तथा भविष्य में फिर कोई चुनाव नहीं होगा। इस झूठ ने चुनाव को प्रभावित किया और भाजपा अकेले पूर्ण बहुमत नहीं ला पाई। चुनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र में इंडी गठबंधन के नेता संविधान के पॉकेट साइज संस्करण को लहराते दिखाई दिए। संविधान की सुरक्षा को लेकर देश में तीखी राजनीतिक बहस चल रही है। राहुल गांधी, अखिलेश यादव और शशि थरूर आदि ने संविधान के इसी पॉकेट साइज संस्करण को हाथ में लेकर शपथ ली। विपक्ष का इरादा आगामी विधानसभा चुनाव में भी संविधान की रक्षा करने का नैरेटिव चलाने का है, क्योंकि अब उसे लग रहा है कि संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र की रक्षा के झूठे नैरेटिव के सहारे ही भाजपा का विजय रथ रोका जा सकता है। संविधान की रक्षा के नाम पर दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों आदि को भाजपा से दूर किया जा सकता है।

इस वर्ष देश को कांग्रेस द्वारा आपातकाल के अंधेरे में झोंकने के भी पचास वर्ष हो रहे हैं। संविधान के पॉकेट साइज संस्करण को लहराते लोगों को वास्तविकता का स्मरण कराते हुए संसद के प्रथम संक्षिप्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल को याद करते हुए कांग्रेस सहित संपूर्ण विपक्ष को आईना दिखा दिया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में आपातकाल को सबसे बड़ा काला अध्याय बताया था। आपातकाल कांग्रेस व उसके सहयोगियों की एक दुखती रग है। लोकसभा अध्यक्ष आपातकाल की भर्त्सना का प्रस्ताव लाए और सदन में दो मिनट का मौन रखा।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश की राजनीति के सबसे काले अध्याय आपातकाल से वर्तमान और भारी पीढ़ियों को अवगत कराने के लिए अब केंद्र सरकार ने प्रतिवर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेते हुए इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी है। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय है, क्योंकि जन सामान्य जिसने आपातकाल का दौर नहीं देखा उसे पता होना चाहिए कि संविधान बदलना और उससे खिलवाड़ करना वास्तव में क्या होता है, जो कांग्रेस ने आज से पचास साल पहले किया था।

संविधान हत्या दिवस की अधिसूचना आने के बाद अब हर वर्ष

25 जून को कांग्रेस के काले कारनामे जनता को याद दिलाए जायेंगे स्वाभाविक है इससे कांग्रेस और इंडी गठबंधन असहज है और अनापशनाप बयानबाजी कर रहा है। प्रियंका गांधी वाड्रा से लेकर शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे गुट के संजय राऊत तक सभी बहुत ही विकृत बयान दे रहे हैं। इनका कहना है कि जिस घटना को 50 वर्ष हो चुके हैं भाजपा उसे क्यों याद रखना चाहती है? इनका तर्क माने तो फिर स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस भी नहीं मनाना चाहिए क्योंकि उसके तो पचहत्तर वर्ष बीत गए हैं? कुतर्क कांग्रेस का चरित्र बन गया है।

वास्तविकता यह है कि 25 जून हर उस व्यक्ति और परिवार के घाव पर मरहम लगाने और स्मरण करने का दिन है जो इंदिरा गांधी की सत्ता लोलुपता के लिए लगाए गए आपातकाल की क्रूरता का पीड़ित है। इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए जिस तरह संविधान का गला घोंटा था वह संविधान की हत्या के रूप में ही याद किया जा सकता है। उस दौरान देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पूरी तरह से छीन लिया गया था। लाखों लोगों को बिना कारण जेल भेज दिया गया था। जेल में लोगों पर क्रूर अमानवीय अत्याचार किए गए थे। लाखों परिवारों को आपातकाल में अथाह दुःख सहन करना पड़ा था। इस दौरान सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं ने भयंकर भ्रष्टाचार किया और देश की संपत्ति को अंग्रेजों और मुगल आक्रमणकारियों की तरह लूटी गई। चाहे फिल्म और संगीत जगत रहा हो या समाचार जगत या फिर राजनीति कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा था जहां आपातकाल के अत्याचार न पहुंचे हों। डर और कुंठा के उस माहौल को क्यों भूल जाना चाहिए? देश को पता चलना चाहिए कि आपातकाल और तानाशाह क्या होता है जिससे कोई भी व्यक्ति कभी भी इंदिरा गांधी जैसी हरकत दोबारा न कर सके। जो सबसे जघन्य अपराध संविधान के साथ हुआ वह था उसकी आत्मा की हत्या करके उसकी प्रस्तावना में पंथ निरपेक्ष और समाजवाद शब्द जोड़ा जाना, यह तुष्टीकरण का सबसे घृणित उदाहरण है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हिटलर कहने वाली कांग्रेस की रग-रग में तानाशाही भरी है। एक समय था जब कांग्रेस समाज के हर वर्ग को अपनी इच्छा के अनुरूप ही नियंत्रित करती थी फिर वह चाहे कार्यपालिका हो, न्यायपालिका या फिर मीडिया और मनोरंजन जगत। राज्यों में गैरकांग्रेसी सरकारों को ताश के पत्तों के घर की तरह गिरा दिया जाता था। कांग्रेस ने केवल 25 जून को ही संविधान की हत्या नहीं की अपितु कई अवसरों पर संविधान का गला घोंटा। गांधी परिवार ने कई बार देश की न्यायपालिका के आदेशों को खारिज करवाया जिसमें शाहबानो प्रकरण की चर्चा अभी भी हो रही है। कांग्रेस के आपातकाल में सबसे अधिक संविधान संशोधन किए गए थे और जमकर मुस्लिम तुष्टिकरण का खेल भी खेला गया।

राहुल गांधी अपने पूर्वजों की राह पर चलते हुए वर्तमान समय में भी तानाशाही रवैया अपना रहे हैं और देश में अराजकता का वातावरण बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अठारहवीं लोकसभा के के प्रथम सत्र में देश के इतिहास में पहली बार प्रधानमंत्री को बोलने से रोकने के लिए गजब का हंगामा किया गया। नेता प्रतिपक्ष ने स्वयं सांसदों को वेल में जाकर हल्ला मचाने को बाध्य किया। ये किसी भी स्थिति में स्वस्थ लोकतंत्र का परिचायक नहीं है और कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता दिखता है।

कुछ लोग संविधान हत्या दिवस नामकरण का विरोध कर रहे हैं कि यह नाम उचित नहीं है जबकि यह नाम पूरी तरह से सही भी है और एकदम सटीक भी क्योंकि कांग्रेस लगातार संविधान की हत्या ही करती आ रही है। 6 दिसंबर 1992 को अयोध्या के विवादित ढांचे के टूट जाने के बाद भाजपा शासित चार राज्यों की चुनी हुई सरकार को बिना कारण बर्खास्त कर दिया गया था। शिवसेना नेता संजय राऊत तो दो कदम आगे निकलकर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल विहारी वाजपेयी पर ही आरोप लगा रहे हैं कि वह भी आपातकाल लगा सकते थे। संजय राऊत यह बात भूल गए हैं कि यह अटल जी ही हैं जिन्होंने गठबंधन राजनीति में भी शुचिता की पराकाष्ठा स्थापित की और किसी भी प्रकार का गलत गठबंधन नहीं किया, अपितु अपनी सरकार के एक वोट से गिरने पर सीधे इस्तीफा देने राष्ट्रपति भवन चले गये थे। केंद्र सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करके एक तीर से कई निशाने साधे हैं। इससे जहां एक और कांग्रेस असहज हुई है वहीं जो लोग केंद्र सरकार को बहुत कमजोर समझ रहे थे वो भी सकते में हैं साथ ही आपातकाल के बाद जन्मी पीढ़ी इसके विषय में जानने को उत्सुक दिख रही है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

थोक महंगाई में बढ़त

खुदरा महंगाईके बाद अब थोक महंगाई ने भी आम लोगों को तगड़ा झटका दिया है। जून महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.08 फीसद पर पहुंच गई थी जो चार महीने का उच्चतम स्तर है। अब थोक महंगाई ने भी लगातार चौथे महीने बढ़त दिखाई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि थोक महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस ग खनिज तेल तथा अन्य विर्निमित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धिरही। गौरतलब है कि थोक मूल्य सूचकांक (ड़ब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई मई में 2.61 फीसद के स्तर पर थी। जून, 2023 में यह शून्य से 4.18 फीसद नीचे रही थी। फरवरी, 2023 में यह 3.85 फीसद थी। खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर जून में 10.86 फीसद बढ़ी जबकि मई माह में यह 9.82 फीसद थी। सब्जियों की महंगाई दर जून में 38.76 फीसद रही जो मई माह में 32.42 फीसद थी। प्याज की महंगाई दर 66.37 फीसद रही जबकि आलू की महंगाई दर 66.37 फीसद रही। दालों में भी 21.64 फीसद की बढ़त दर्ज की गई। फलों, अनाज, दूध आदि अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में भी बढ़त का रुझान रहा। दरअसल, जून माह में थोक दामों में बढ़ोतरी व्यापक रही। ईंधन और बिजली को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्रों में दाम बढ़े। बेशक, जुलाईमाह में कुछराहत मिलने के अनुमान है। अनुकूल तुलनात्मक आधार के साथ-साथ वैश्विक जिंस कीमतों में कुछ नरमी के कारण जुलाई माह में थोक महंगाई में दो फीसद तक नरमी आने की उम्मीद अर्थशास्त्री जतला रहे हैं। अलबत्ता, नरमी की संभावना को कच्चे तेल के दामों में अस्थिरता से झटका लग सकता है। जुलाई माह में कच्चे तेल के दामों में अस्थिरता के चलते मांग-आपूर्ति के मद्देनजर मासिक आधार पर कच्चे तेल में वृद्धि का रुझान देखने को मिला तो थोक महंगाईपर दबाव बढ़ सकता है। बेशक, थोक महंगाई में बढ़त का रुझान केंद्रीय बैंक को उतना चिंता में नहीं ड़ालता जितना खुदरा महंगाई का रुळझान। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। लेकिन यह भी सच है कि थोक दामों का असर भी खुदरा महंगाई पर कुछ समय बाद दिखलाई पड़ने लगता है। फिर, धारणा से भी निश्चित ही आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैंग जिससे इनकार नहीं किया जा सकता। बहरहाल, कर संग्रह आदि आर्थिक संकेतक मजबूत हैंग जिससे दामों के सीजनल दबावों से पार पाने में मदद मिलेगी।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं-हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

बजट का हलुवा और हलुए का बजट

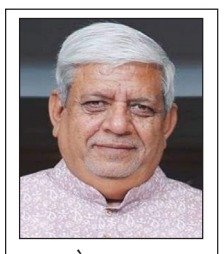

राकेश अचल

भारत अनोखा देश है। यहां सब कुछ अनोखा होता है ,जो दुनिया के शायद तमाम देशों में न होता हो। भारत में सरकार बजट पेश करने से पहले एक समारोह करती है जिसे अंग्रेजी में हलुवा सेरेमनी कहते हैं। इस हलुवा समारोह का लिखित इतिहास मुहे तो खोजने पर नहीं मिला,लेकिन जाहिर है कि इसके पीछे भी कांग्रेस ही रही होगी ,क्योंकि आज का भारत तो 2014 के बाद का भारत है। आज के भारत में स्टेशनों,शहरों और कानूनों के नाम बदले गए लेकिन गनीमत है कि इस हलुवा सेरेमनी को अभी तक हाथ नहीं लगाया गया है।

भारत में हलुवा और बजट आम आदमी के लिए ही बनाया जाता है। हलुवा सबसे सस्ता और सुलभ मिष्ठान भी है। गांवों से लेकर शहरों तक लोकप्रिय है। अमीर-गरीब सभी इस हलुए को पसंद करते हैं। शायद अंग्रेज भी करते हों। हलुवे की लोकप्रियता कालांतर में इतनी बढ़ी कि इसे मुहावरे का सम्मान मिल गया। किसी भी काम में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार या गोलमाल करने को भी हलुवा करना ही कहा जाता है। हलुवा बनाना और हलुवा करना एक खास कला है ,इस्सके कलाकार ज्यादातर सियासत में या नौकरशाही में मिलते हैं। जहाँ ईमानदारी से हलुवा बनता है वो जगह केवल गुरुद्वारा है ,लेकिन गुरुद्वारों में बनने वाले हलुवे को हलुवा नहीं कड़ा-प्रसाद कहा जाता है। हलुवा जब प्रसाद बन जाता है तो आत्मा को सुकून देता है ,लेकिन जब हलुवा बजट बनता है तो हमेशा मीठा नहीं लगता।

वैसे आपको बता दूँ कि हलुआ एक प्रकार का मिष्ठान्न है जिसकी उत्पत्ति फ़ारस से हुई है और व्यापक रूप से पूरे मध्य पूर्व में फैली हुई है।। हलुवा साधारणतः आटे, सूजी, गहि और शर्करा से बनता है। बाद में आप इसमें बारीक पिसे हुए बीज या बादाम भी मिला सकते हैं आजकल तो हर चीज का हलुवा बननी लगा है जो बजट हलुवे से सर्वथा भिन्न होता है। हलुवा अब हैसियत से बाबस्ता हो गया है। जिसकी जैसी हैसियत उसका वैसा हलुवा। मठ का अलग,मंदिर का अलग और कर्तव्यपथ का लग किस्म का हलुवा होता है। मुंबई वालों का हलुवा तो सबसे अलग होता ही है। भाई अनंत की शादी में किस तरह का हलुवा बना हमें पता नहीं।

इस साल के बजट का हलुवा समारोह नार्थ ब्लाक में सम्पन्न हो गया । आम बजट के हलुवे को किसने बनाया मुझे नहीं पता, किन्तु केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने सबसे पहले ये बजट हलुवा अपने मंत्रालय के अधिकारीयों और कर्मचारियों में तकसीम किया। इसी नार्थ ब्लाक में बजट छपने वाली छपाई मशीन लगी है । ताकि बजट लीक न हो। बजट लीक हो या न हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता । फर्क इस बात से पड़ता है कि बजट में हलुवे की जो मिठास है वो आम आदमी तक भी पहुँच पायेगी या नहीं ? देश में कांग्रेस ने दशकों तक बजट का हलुवा किया। अब एक दशक से भाजपा ये काम कर रही है। इस साल के बजट में तो भाजपा के साथ टीडीपी और जेडीयू को भी हलुवा करने का सौभाग्य मिला है।

कोई भी सरकार हो बजट में हलुवा करना उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। सरकार चाहे केंद्र की हो या राज्य की बजट में हलुवा करती ही है। ये बात और है कि अनेक राज्यों में हलुवा सेरेमनी नहीं होती। निर्मला जी मुझसे चार महीने छोटी हैं लेकिन मुझसे ज्यादा पढ़ी लिखी है। निर्मला जी के पास हलुवा बनाने की कोई उपाधि नहीं है किन्तु उन्होंने भाजपा सरकार के लिए सबसे ज्यादा बार बजट हलुवा तैयार किया। वे राजनीति में पिछले दरवाजे से [राज्य सभा] आयीं थीं लेकिन वे पिछले छह -सात मर्तबा बजट हलुवा बनाने का सौभाग्य हासिल कर चुकी हैं। वे भाजपा की सबसे ज्यादा सौभाग्यशाली वित्त मंत्री हैं। उनके हलुवा बनाने पर किसी को संदेह नहीं हैसिवाय उनके अपने पति को । भाजपा सरकार ने बीच में उन्हें हलुवा बनाने की जिम्मेदारी से मुक्त कर देश कोई रक्षा का और बाद में कारपोरेट का काम भी सौंपा लेकिन जब दूसरे वित्त मंत्री ढंग से बजट हलुवा नहीं बना पाए तो उन्हें वापस वित्त मंत्री बनाकर बजट हलुवा बनाने की जिम्मेदारी दे दी गयी।

देश में किसी भी दल की सरकार हो लेकिन आम जनता को उसके बजट हलुवे से तमाम उम्मीदें बनी रहतीं है। इस बार के बजट से देश के सभी वर्गों के लोगों को काफी उम्मीदें हैं। आगामी बजट को लेकर आम लोगों को उम्मीद है कि इस बार उन्हें सरकार की तरफ से थोड़ी राहत दी जाएगी। चूंकि यह बजट आम चुनावों के बाद का पहला बजट है ऐसे में सरकार के लिए भी यह बजट काफी महत्वपूर्ण होने वाला है।

आम चुनाव में सरकार ले-देकर बनी है। इसलिए सरकार पर बजट को मीठा बनाने का दबाब है। सरकार के सामने कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव भी है। इस कारण सरकार द्वारा अपने वोट बैंक को भुनाने के लिए आम बजट में लोगों को खुश को लेकर ऐलान किए जाने की उम्मीद की जा रही है.

नौकरीपेशा यानी सैलरी क्लास से लेकर, महिलाएं, किसान, टैक्सपेयर्स और युवावर्ग तक के लोग इस बार के बजट में सरकार से राहत की उम्मीद कर रहे है। उन्हें उम्मीद है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब बजट 2024 - 25 पेश करेंगी तो उनके लिए कोई खास ऐलान किया जा सकता है। बजट 23 जुलाई 2024 को पेश किया जाएगा । तब तक सभी को बजट हलुवे की महक से ही काम चलना पडेगा। बजट हलुवे का स्वाद कैसा होगा ये 23 जुलाई को ही पता चलेगा । भाजपा सरकार का नया बजट स्वाद में चाहे जैसा हो किन्तु उसका रंग तो भगवा ही रहने वाला है। देश का भगवाकरण हो रहा है तो बजट और उसका हलुवा इस रंग से कैसे बच सकता है।

इस समय देश को ऐसे हलुवे की जरूरत है जो किसानोन्मुखी हो। किसान हलुवा पेश होने की फ़िक्र किये बिना अपनी पुरानी मांगों को लेकर छह महीने का राशन - पानी लेकर दिल्ली आने वाले है। इस बार सरकार उन्हें दिल्ली आने से रोक भी नहीं सकती ,क्योंकि माननीय अदालत ने किसानों के दिल्ली जाने के अधिकार को संवैधानिक बता दिया है। अब देखना ये है की आने वाले दिनों में केंद्र द्वारा बनाया गया हलुवा फ़ैल तो नहीं जाएगा ? भगवान करे कि ऐसा न हो।

वायरस प्रकोप: लापरवाही बरतने से बचे सरकार

अजय प्रताप तिवारी

भारत में हीटवेव और प्रचंड गर्मी से थोड़ी राहत मिली नहीं कि वायरसों ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कई राज्य वायरस की गिरफ्त में हैं। महाराष्ट्र में जीका वायरस, केरल में दिमाग को खाने वाले अमीबा बुखार, कर्नाटक में डेंगू आफत बन चुका है। बढ़ते जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दुनिया में समय-समय पर विभिन्न प्रकार के वायरस पनप रहे हैं, जो मनुष्यों के जीवन के लिए घातक सिद्ध हुए हैं। ये वायरस इतने खतरनाक होते हैं कि पल भर में मनुष्यों के जीवन को लील देते हैं।

जीका वायरस का सबसे ज्यादा खतरा गर्भवती महिलाओं को है, क्योंकि इससे नवजात शिशुओं में माइक्रोसेफैली होने का खतरा होता है, जिससे शिशुओं के मस्तिष्क का विकास नहीं हो पाता। जीका वायरस का वाहक एडिज मच्छर है। यह वायरस इंसानों से पहले रीसस बंदरों में देखा गया था जो अफ्रीकी देश युगांडा के जीका जगलों में पाया गया था। इसका प्रकोप इंसानों पर 2007 से तेज हुआ है। जीका वायरस ने 2015 में पूरे विश्व में तबाही मचाई जिसमें लाखों लोगों की जान चली गइफ्ा विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 2016 में वैश्विक आपदा घोषित किया। भारत में पहली बार जीका वायरस का मामला 2016-17 में गुजरात में प्रकाश में आया था। मानव के मस्तिष्क के तंतुओं को नष्ट कर देने वाला अमीबा बुखार मानव जीवन

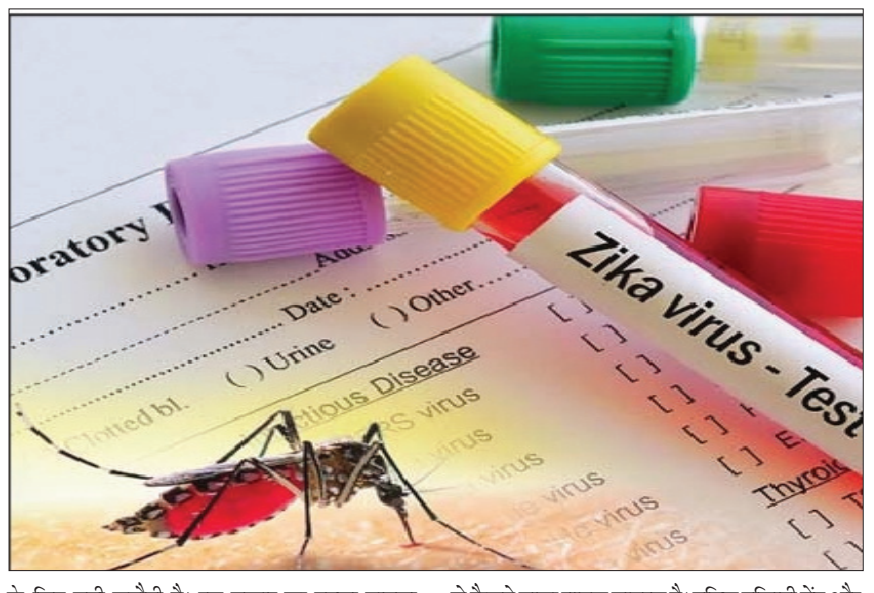

के लिए बड़ी चुनौती है। इस बुखार का पहला मामला 2016 में केरल में सामने आया था। तब से अब तक यहां आठ मरीज मिले हैं, और सभी की मौत हुई। केंद्र सरकार के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार अब तक केरल से हरियाणा और चंडीगढ़ तक 22 लोगों की मौत हुई हैग जिनमें से छह मौत 2021 के बाद दर्ज की गईं। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुतवज्ञान अनुसंधान संस्थान के अनुसार, 2019 तक देश में इस बीमारी के 17 मामले सामने आए लेकिन कोविड-19 महामारी के बाद तमाम तरह के नये संक्रमणों में उछाल देखने को मिला है।

पिछले कुछ वर्षों में मंकीपॉक्स, इबोला, निपाह वायरस, कोविड-19, जीका वायरस लगातार पैर पसार रहे हैं। ये संक्रमण इतनी तेजी से फैलते हैं कि देखते ही देखते पूरे शहर को संक्रमित कर देते हैं। जीका वायरस एडीज मच्छर से फैलने वाला घातक वायरस है। एडिज एजिप्टी डेंगू और चिकनगुनिया का वाहक भी है। जीका वायरस यौन संबंध से भी फैलता हैग मां से भ्रूण में प्रवेश कर जाता है जो पेट में पल रहे बच्चे के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर देता है। जीका वायरस भविष्य में कोविड-19 से भी भयानक रूप ले सकता है। यह मनुष्यों के लिए ही घातक नहीं है, बल्कि भावी नस्ल को भी मानसिक रूप से कमजोर करेगा। विभिन्न प्रकार के संक्रमण इंसानों को आतथक एवं सामाजिक रूप से कमजोर बनाते हैं। देश में तेजी से फैलता संक्रमण न केवल स्वास्थ्य चिंता का विषय है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी पटरी से उतार देता है। पर्यटन एवं उद्योग के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी हद तक प्रभावित करता है, आयात-निर्यात पर भी गहरा प्रभाव ड़ालता है। संक्रमण के चलते लंबे समय तक स्वास्थ्य समस्याएं बनी रहने से कार्यबल में गिरावट आती है जिसका प्रभाव उत्पादन क्षमता पर पड़ता हैग काम का दबाव बढ़ता है। सामाजिक दूरियां बढ़ती हैंग जिसका असर कोविड-19 के समय भी देखने को मिला था। संक्रमण समय से नहीं रोका नहीं गया तो मानव सभ्यता को नष्ट कर ड़ालेगा। जलवायु परिवर्तन और प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप से संक्रमण का प्रभाव पशु-पक्षियों में भी देखने को मिल रहा है।

भारत में इस वक्त में बारिश का मौसम है। इसलिए सबसे ज्यादा खतरे की बात है। जगह-जगह जल-भराव की समस्या से एडिज मच्छर पनपते हैं। गांवों के तालाबों, नालियों और गड्ढों में तब्दील जमीनों में साफ पानी का भराव होता है जिससे एडिज मच्छर पनपने की गुंजाइश बनती है, इससे गांवों में जीका वायरस फैलने का खतरा है। भारत में जीका वायरस या नये वायरसों के निदान की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, यदि है भी तो बहुत सीमित। बढ़ता संक्रमण रोकने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी नीति-निर्माण आवश्यक है। जीका वायरस के निदान हेतु बाहर से आने वाले यात्रियों की गहन जांच की जाए और उनका डाटा तैयार किया जाना चाहिए ताकि शहर या गांव में किसी भी प्रकार के वायरस का पता लगने पर उन व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके जो बाहर से आए हैं। राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर संक्रमण निवारण केंद्र बनाने की जरूरत है। त्वरित जांच टीम बनाना जरूरी है। जागरूकता अभियान और शिक्षा के माध्यम से शहरों और गांवों में लोगों को इसके बारे में जानकारी देनी चाहिए। गांव, कस्बों में स्वास्थ्य मित्र नियुक्त करके महीने में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करते रहना चाहिए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मच्छरदानी वितरण और दवा का छिड़काव समय-समय पर किया जाना चाहिए ताकि मच्छरों का प्रकोप बढ़ न पाए। मच्छरों का प्रकोप कम करने के लिए जीएम मच्छरों को तैयार करना चाहिए। इंसानों के साथ ही पशु-पक्षियों में पनप रहे संक्रमण को रोकने का भी उपाय करना चाहिए।

एप्पल ने 8 बिलियन डॉलर की मजबूत बिक्री को छुआ

-इस तेजी ने चीन और वियतनाम जैसे देशों को कर दिया परेशान

नई दिल्ली।

टेक दिग्गज कंपनी एप्पल ने वित्त वर्ष 2024 में भारत में लगभग 8 बिलियन डॉलर की मजबूत बिक्री को छुआ है, जो लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) है। भारत द्वारा उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू करने के कारण घरेलू विनिर्माण में आई तेजी ने चीन और वियतनाम जैसे देशों को परेशान कर दिया है। दोनों ही देश चीन और वियतनाम इस मामले में लड़खड़ा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में प्रीमियमीकरण की सोच के कारण आईफोन की बिक्री में तेजी आई है। न केवल बेहतरीन घरेलू बिक्री, क्यूपर्टिनो बेस्ड कंपनी ने निर्यात में भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। घरेलू विनिर्माण को मिल रहे शानदार समर्थन और मजबूत वितरण के कारण इस साल आईफोन शिपमेंट में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है। काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसंधान निदेशक तरुण पाठक ने बताया कि प्रीमियमाइज़ेशन के शुरू होने के साथ ही एप्पल को एक बार फिर अपने उपकरणों और निवेश प्रस्तावों के माध्यम से इसका लाभ उठाने का सही समय मिल गया है। इसके अतिरिक्त, ब्रांड मजबूत हुआ है और कंपनी इसका भी आनंद ले रही है और देश में अपने नेटवर्क का विस्तार कर रही है, जिससे इसे बढ़ने में मदद मिल रही है। भारत द्वारा पीएलआई योजना को बढ़ावा देने के कारण मोबाइल फोन निर्यात में वित्त वर्ष 2024 में काफी वृद्धि हुई। इसकी वजह से चीन और वियतनाम जैसे मोबाइल बनाने वाले दिग्गज देश भारत से पीछे रह गए। चीन से मोबाइल फोन का निर्यात वित्त वर्ष 2023 में 136.3 बिलियन डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 132.5 बिलियन डॉलर हो गया। इसी तरह, नवीनतम उद्योग आंकड़ों के अनुसार, वियतनाम में वित्त वर्ष 2023 में 31.9 बिलियन डॉलर से घटकर पिछले वित्तीय वर्ष 2024 में 26.27 बिलियन डॉलर हो गया। उद्योग के

अनुमान के अनुसार, मोबाइल फोन का उत्पादन 2014-15 में 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में अनुमानित 4.10 लाख करोड़ रुपये हो गया। जो लगभग 2,000 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। जानकारी के अनुसार भारत में प्रीमियम सेगमेंट के अधिकांश उपभोक्ताओं ने स्मार्टफोन खरीदने के लिए फाइनेंशियल स्कीम का चुनाव किया। भारत में एप्पल के नेतृत्व में देश से मोबाइल फोन निर्यात वित्त वर्ष 2023 में 11 बिलियन डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में लगभग 16 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

सरकार ने दी चेतावनी जमाखोरी और मुनाफाखोरी की तो होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली।

कई महीनों के बाद अब अरहर या तुअर और उड़द की दाल की थोक कीमतें घटी हैं। सरकार ने बताया कि इन दालों की कीमतों में करीब चार फीसदी की कमी आई है। इसके साथ ही उम्मीद थी कि अब खुदरा बाजार में भी कीमतें कम होंगी लेकिन, रिटेल बाजार में इन दालों की कीमत घटने के बजाय बढ़ गईं हैं। इसके बाद केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने देश के रिटेलरों के साथ बैठक की। सरकार ने रिटेलरों को चेतावनी दी है कि थोक बाजार के अनुरूप ही खुदरा बाजार में भी कीमतें कम हो। बीते दिन सरकार ने रिलायंस रिटेल, डी मार्ट, टाटा स्टोर्स, स्पेंसर्स, आरएसपीजी, वी मार्ट जैसे बड़े रिटेलर्स के साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने रिटेलर्स को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर दालों की कीमतें कम नहीं हुईं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। पिछले कुछ दिनों से थोक मंडियों में तुअर, चना और उड़द जैसी दालों की कीमतों में मामूली गिरावट आई है लेकिन, रिटेल बाजार में कीमत कम नहीं हुई है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के मुताबिक पिछले एक महीने में प्रमुख मंडियों में चना, तुअर और उड़द की कीमतों में 4फीसदी तक की गिरावट आई है, लेकिन खुदरा कीमतों में समान गिरावट नहीं देखी गई है। रिटेलर्स के साथ बैठक में सरकान ने कहा कि अगर स्टॉक सीमा का उल्लंघन, जमाखोरी और मुनाफाखोरी करते हुए पाए गए तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मतलब अब सरकार की इन कमोडिटी पर कड़ी नजर रहेगी। साथ ही जमाखोरी के नियमों का भी कड़ाई से पालन किया जाएगा। कृषि मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक दलहन का रकबा बढ़कर 62.32 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि पिछले साल यह 49.50 लाख हेक्टेयर था। दलहन में तुअर की खेती 9.66 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 28.14 लाख हेक्टेयर हो गई है। रिटेल उद्योग से दालों की कीमतों को उपभोक्ताओं के लिए किफायती रखने के सरकार के प्रयासों में हर संभव मदद करने को कहा है।

सेबी ला रहा नया प्रोडक्ट, निवेश के लिए लगाने होंगे 10 लाख, जोखिम भी होगा

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों को एक नए तरह का विकल्प लाने का प्रस्ताव दिया है, जो बाजार में जोखिम उठाकर ज्यादा से ज्यादा कमाई कर सकते हैं। अभी पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाएं (पीएमएस) या वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) बहुत महंगे हैं। अभी सेबी ने इस नए प्रोडक्ट को नाम नहीं दिया है और इसमें निवेश के लिए कम से कम 10 लाख रुपए लगाने होंगे। यह सीमा पीएमएस (50 लाख) और एआईएफ (एक करोड़ रुपए) से काफी कम है। वहीं, म्यूचुअल फंड में तो सिर्फ 100 रुपए से भी निवेश शुरू किया जा सकता है।

सेबी का कहना है कि वह नए तरह का निवेश का तरीका लाना चाहता है। इसमें ज्यादा पैसा लगाना होगा और ज्यादा रिस्क भी उठाना होगा। ये इसलिए ताकि लोग जोखिम वाले गलत निवेश ना करें। नया तरीका ना तो म्यूचुअल फंड जैसा होगा ना ही प्राइवेट वेल्थ मैनेजमेंट जैसा, बल्कि दोनों के बीच का रास्ता होगा। सेबी को लगता है कि अभी तक ऐसा कोई निवेश का तरीका नहीं है जिसमे थोड़ा ज्यादा रिस्क लेकर ज्यादा कमाई की जा सके।

इसी का फायदा उठाकर गलत लोग ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर लोगों को ठगते हैं। इसलिए सेबी नया निवेश ला रहा है। ये तरीका म्यूचुअल फंड जैसा होगा लेकिन थोड़ा ज्यादा जोखिम वाला। इसमें शेयर बाजार के कुछ ऐसे तरीकों का इस्तेमाल भी किया जाएगा जो आम तौर पर म्यूचुअल फंड में इस्तेमाल नहीं होते हैं। जैसे म्यूचुअल फंड सिर्फ शेयरों को गिरने से बचाने के लिए ही एक अलग तरह का दांव लगा सकते हैं। वहीं, नया तरीका सीधे शेयरों के ऊपर या नीचे जाने का दांव लगाने की इजाजत देगा। इससे ज्यादा फायदा हो सकता है, लेकिन ज्यादा नुकसान का भी रिस्क है। इसी तरह, नए तरीके में सरकारी बॉन्ड या रीट और इनविट में निवेश की सीमाएं थोड़ी ढीली होंगी, मतलब आप इनमें थोड़ा ज्यादा पैसा लगा सकेंगे। सेबी इस नए निवेश तरीके को म्यूचुअल फंड और बाकी निवेश विकल्पों से अलग दिखाना चाहता है ताकि लोग इसे गलत नहीं समझें। इस नए तरीके का एक अलग नाम होगा ताकि ये साफ हो कि ये ना तो म्यूचुअल फंड है और ना ही प्राइवेट वेल्थ मैनेजमेंट, एआईएफ, रीट या इनविट जैसा कोई दूसरा मौजूदा निवेश है। सेबी ने बताया है कि कौन सी कंपनियां इस नए निवेश तरीके की पेशकश कर सकती हैं। इसके लिए सिर्फ वही कंपनियां योग्य होंगी जो कम से कम तीन साल से बाजार में मौजूद हैं और जिनके पास 10,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। अगर कोई कंपनी इन शर्तों को पूरा नहीं करती तो भी वह कुछ और शर्तें पूरी करके आवेदन कर सकती है। इसके लिए उस कंपनी को मुख्य निवेश अधिकारी को नियुक्त करना होगा जिसके पास कम से कम 10 साल का फंड मैनेजमेंट का अनुभव हो और कम से कम 5,000 करोड़ रुपए की संपत्ति का प्रबंधन करने का अनुभव हो। साथ ही उन्हें नए निवेश तरीके के लिए एक और फंड मैनेजर की नियुक्ति भी करनी होगी जिसके पास कम से कम साल साल का फंड मैनेजमेंट का अनुभव हो और कम से कम 3,000 करोड़ रुपये की संपत्ति का प्रबंधन करने का अनुभव हो।

एसबीआई लेकर आया स्पेशल डिपॉजिट स्कीम, जमा राशि पर मिलेगा 7.25 फीसदी ब्याज

नई दिल्ली।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने एक विशेष जमा योजना अमृत वृष्टि शुरू की है, जो 444 दिनों की जमा राशि पर 7.25 फीसदी ब्याज दे रही है। इस योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को एक्स्ट्रा 0.50 फीसदी ब्याज दी जा रही है। यह कदम बैंकों द्वारा जमा की जा रही रकम में धीमी जमा वृद्धि और अधिक क्रेडिट-डिपॉजिट ग्रोथ गैप को देखते हुए उठाया गया है। इससे पहले, बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने भी उच्च ब्याज दरों के साथ विशेष जमा योजनाएं शुरू की थीं, ताकि वे अधिक जमा राशि जुटा सकें। बैंक ऑफ बड़ौदा की विशेष योजना बीओबी मानसून धमाका डिपॉजिट स्कीम 399 दिनों के लिए 7.25 फीसदी और 333 दिनों के लिए 7.15 फीसदी सालाना ब्याज दर दी रही है, जो तीन करोड़ रुपए से कम की जमा राशि के लिए है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) की विशेष योजना में 10 करोड़ रुपए तक की जमा राशि के लिए चार अलग-अलग समय अवधियां हैं। यह 200 दिनों के लिए 6.90 फीसदी, 400 दिनों के लिए 7.10 फीसदी, 666 दिनों के लिए 7.15 फीसदी और 777 दिनों के लिए 7.25 फीसदी ब्याज दर दे रही है। एमबीआई की यह विशेष जमा योजना-अमृत वृष्टि योजना, 31 मार्च, 2025 तक निवेश के लिए उपलब्ध है। एसबीआई चेयरमैन ने कहा अमृत वृष्टि एक नई प्रकार की सावधि जमा योजना है, जो विभिन्न प्रकार के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई है। यह योजना हमारे मूल्यवान ग्राहकों को धन वृद्धि के अवसर प्रदान करने की एसबीआई की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।' भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बैंकों को बार-बार बढ़ते उधार-जमा अनुपात पर चेतावनी दे रहा है, जिससे अगर क्रेडिट वृद्धि जमा वृद्धि से अधिक रही तो सिस्टमेटिक रिस्क पैदा हो सकता है।

भारत में ग्रीन सर्टिफाइड ए-ग्रेड ऑफिस स्पेस की मांग बढ़ी, चेन्नई टॉप पर

नई दिल्ली। भारत में ग्रीन सर्टिफाइड ए-ग्रेड ऑफिस स्पेस की मांग बढ़ रही है। इन ऑफिस की हिस्सेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस की हिस्सेदारी में चेन्नई टॉप पर है। इसके बाद एनसीआर का बाजार है। ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस का किराया भी ज्यादा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के सात प्रमुख शहरों में ए-ग्रेड ऑफिस के कुल स्टॉक में ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस की हिस्सेदारी बढ़कर 65 फीसदी हो गई। इस समय सात प्रमुख शहरों में ए-ग्रेड ऑफिस का कुल स्टॉक 88.85 करोड़ वर्गफुट है। इनमें से 57.77 करोड़ वर्गफुट यानी 65 फीसदी ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस हैं। भारत में 1,362 ए-ग्रेड ऑफिस में से 805 यानी 59 फीसदी ऑफिस ग्रीन सर्टिफाइड हैं। जो भारत के निर्माण के प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। पांच लाख वर्गफुट से कम बिल्ड-अप एरिया वाली 47 फीसदी ऑफिस ग्रीन सर्टिफाइड हैं। दस लाख वर्गफुट से ज्यादा बिल्ड-अप के 19 फीसदी ऑफिस ही ग्रीन सर्टिफाइड है। एक लाख वर्गफुट से कम बिल्ड-अप वाली ऑफिस में ग्रीन सर्टिफिकेट बहुत ही कम हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में ऑफिस बाजार के लिए सात प्रमुख शहरों में ए-ग्रेड ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस की सबसे ज्यादा 83 फीसदी हिस्सेदारी चेन्नई में है। चेन्नई में ए-ग्रेड ऑफिस के कुल स्टॉक 8.26 करोड़ में 6.83 करोड़ वर्गफुट ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस हैं। इसके बाद एनसीआर के 12.97 करोड़ स्टॉक में से 70 फीसदी 9 करोड़ वर्गफुट स्टॉक ग्रीन सर्टिफाइड है। ऑफिस स्पेस के सबसे बड़े बाजार बेंगलूरु के कुल 27 करोड़ वर्गफुट स्टॉक का 64 फीसदी हिस्सा ग्रीन सर्टिफाइड है। हैदराबाद के कुल आफिस स्टॉक में ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस की हिस्सेदारी 63 फीसदी, कोलकाता में यह 62 फीसदी, मुंबई में 61 फीसदी, जबकि पुणे में सबसे कम 56 फीसदी है। रिपोर्ट के अनुसार ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस के किराये पर बिना ग्रीन सर्टिफाइड से 12 से 14 फीसदी प्रीमियम ज्यादा है। जो बिल्डरों को इन बिल्डिंग को बनाने में निवेश के लिए प्रोत्साहित करता है। बेंगलुरु 23 से 25 फीसदी प्रीमियम के साथ टॉप पर है। चेन्नई और हैदराबाद में यह प्रीमियम 12 से 14 फीसदी और 13 से 15 फीसदी है। मुंबई और पुणे में डेवलपर ग्रीन सर्टिफाइड बिल्डिंग के लिए बिना ग्रीन सर्टिफाइड बिल्डिंग की तुलना में 8 से 12 फीसदी प्रीमियम लेते हैं। कंपनियां पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने और कर्मचारियों की भलाई के लिए प्रीमियम का भुगतान करती हैं।

माइक्रोसॉफ्ट और ऐमजॉन को टक्कर देगा गूगल, विज का अधिग्रहण करने की तैयारी

नई दिल्ली।

गूगल की पेरेंट अल्फाबेट कंपनी तेजी से बढ़ रही साइबर सिक्योरिटी स्टार्टअप विज का अधिग्रहण करने की तैयारी में है। यह डील 23 अरब डॉलर की हो सकती है। यह कंपनी क्लाउट कंप्यूटिंग के लिए साइबर सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर बनाती है। अगर डील होती है तो यह गूगल की अब तक की सबसे बड़ी खरीदारी होगी। इससे यह बात भी सामने आई है कि गूगल साइबर सिक्योरिटी बाजार में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। विज ने इसी साल वेंचर कैपिटल इनवेस्टर्स से एक अरब डॉलर जुटाए थे। उसके बाद से ही गूगल और विज के बीच बातचीत हुई थी। सूत्रों का कहना है कि दोनों कंपनियों के बीच डील अभी फाइनल नहीं हुई है और आगे कुछ भी हो सकता है। हालांकि दोनों कंपनियों ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। गूगल के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी डील मोटोरोला की खरीद थी। करीब एक दशक पहले गूगल ने मोटोरोला को 12.5 अरब डॉलर में खरीदा था। भारी नुकसान होने के कारण गूगल ने दो साल बाद ही मोटोरोला को बेच दिया था। हालिया फंडिंग राउंड में विज की वैल्यूएशन 12 अरब डॉलर लगाई गई थी। गूगल उसे वैल्यूएशन से दोगुनी कीमत दे रही है।

मार्च, 2022 में अल्फाबेट ने साइबर सिक्योरिटी फर्म मनडियंट को 5.4 अरब में खरीदा था। इसका मकसद अपने क्लाउड कंप्यूटिंग बिजनस को मजबूत करना और कंपनियों के साइबर हमलों से बचाना था। कंपनी अपने कोर सर्च एडवरटाइजिंग बिजनस से इतर अपने रेवेन्यू को डाइवरसिफाई करना चाहती है। इसमें क्लाउड पर उसका खासा जोर है। कंपनी की क्लाउड सेल्स बढ़ी है लेकिन उसे माइक्रोसॉफ्ट और ऐमजॉन से कड़ा मुकाबला करना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में क्लाउड कंप्यूटिंग की अहमियत बढ़ रही है।

केंद्र सरकार चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य में बढ़ोतरी करने पर कर रही विचार

एनएफसीएसआर ने कहा-मौजूदा नीतियां चीनी उद्योग के लिए बन रहीं समस्या

नई दिल्ली। उत्पादन लागत बढ़ने से परेशान चीनी मिलों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना संघ (एनएफसीएसआर) ने सरकार से चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाकर 42 रुपए प्रति किलोग्राम करने की मांग कर रहा है। बढ़ती उत्पादन लागत के बीच मिलों को चालू रखने में मदद मिल सके। राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना संघ लिमिटेड के निदेशक ने कहा कि केंद्र सरकार के निर्णय नहीं लेने से चीनी उद्योग में कम मुनाफा, कर्ज जैसी समस्याएं फिर से उत्पन्न हो सकती हैं। सरकार ने गन्ने का एफआरपी (उचित एवं लाभकारी मूल्य) तीन बार बढ़ाया है, लेकिन चीनी के एमएसपी में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। सभी राज्य महासंघ पांच साल से इसकी मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने इस पर विचार नहीं किया है। उन्होंने दावा किया कि ऐसी नीतियां चीनी उद्योग के लिए समस्या उत्पन्न कर रही हैं। हम सिर्फ चीनी उत्पादन की लागत की मांग

कर रहे हैं। हम उत्पादन लागत के रूप में कम से कम 41 रुपए प्रति किलोग्राम चाहते हैं। गन्ने और परिवहन लागत बढ़ गई है और मजदूरी शुल्क भी बढ़ा दिया गया है, लेकिन चीनी की कीमत वही है।

एनएफसीएसआर के अध्यक्ष और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के निदेशक, पूर्व मंत्री हर्षवर्धन पाटिल ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में निर्णय लेने का आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा कि सहकारी चीनी मिलों को लेकर अगले दस साल का रोड मैप तैयार किया है और चीनी उद्योग में आमूल-चूल परिवर्तन किये जायेंगे। गन्ने का एफआरपी बढ़ रहा है, इसकी तुलना में चीनी की कीमत नहीं बढ़ रही है। इसके कारण चीनी मिलों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इसलिए अगर चीनी उद्योग को बचाना है तो चीनी की न्यूनतम कीमत 4200 रुपए प्रति क्विंटल करने की मांग दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह के साथ हुई बैठक में की गई है।

नासिक से टमाटर की आवक बढ़ने से कम हो जाएंगे दाम

नई दिल्ली। बाजार में अगस्त में नासिक से टमाटर की आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद है, जिससे टमाटर की कीमतों में कमी आ सकती है। हिमाचल से आने वाले माल में बारिश के कारण दाम बढ़े हैं, लेकिन आने वाले दिनों में दामों में गिरावट की उम्मीद है। व्यापारी अंकित सेतिया के अनुसार, रिटेल मार्केट में ग्राहकों की मांग दोगुनी है, जिसके कारण टोमैटो प्यूरी की बिक्री में तीन गुना तक वृद्धि हुई है। सप्ताह भर में आमतौर पर पांच से सात किलो की बिक्री होती थी, लेकिन इस बार इस आंकड़े ने बीस किलो तक का आंकड़ा छू लिया है। व्यापारी डिंपी सचदेवा बताते हैं कि अगस्त के अंतिम दिनों में नासिक से टमाटर की आपूर्ति आएगी, जिससे बाजार में दामों में कमी आ सकती है। इसके बाद लोकल टमाटर भी बाजार में उपलब्ध हो जाएंगे, जिससे दाम निश्चित रूप से कम हो जाएंगे। मकसूदां सब्जी मंडी के थोक कारोबारी बताते हैं कि इन दिनों टमाटर की लोकल फसल खत्म हो जाती है तथा हिमाचल से ही टमाटर की आपूर्ति होती है। इस बार हिमाचल में लगातार बारिश के कारण माल की सप्लाई बाधित हो रही रही है। साथ ही दामों में भी रोजाना इजाफा हो रहा है। मकसूदां सब्जी मंडी में मंगलवार को बेंगलुरु से भी टमाटर की सप्लाई हुई है, लेकिन इसके दाम में थोक में 80 रुपये प्रति किलो हैं। ऐसे में बेंगलुरु से सप्लाई के बाद भी दामों में कमी की उम्मीद नहीं है। अगस्त में टमाटर की कीमतों में गिरावट आ सकती है।

डिजिटल साम्राज्य में उतरने अनंत की शादी में बुलाए दुनिया के रईस और ताकतवर लोग

- 60 करोड़ डॉलर की शादी धूमधाम ही नहीं, बिजनेस की सोची समझी चाल

नई दिल्ली।

हाल ही में भारत के बड़े बिजनेस मैन और दुनिया के अमीर लोगों में गिने जाने वाले मुकेश अंबानी ने अपने बेटे अनंत अंबानी की शादी की थी इस शादी में करोड़ों रुपया खर्च भी किया गया और देश दुनिया की जानी मानी हस्तियां इस शादी में शामिल हुई थी।मुकेश अंबानी अब बड़े मनोरंजन जगत के खिलाड़ी बन गए हैं। उनका डिजिटल साम्राज्य शेयर बाजार में उतरने की तैयारी में है, जिसकी कीमत 112 अरब डॉलर बताई जा रही है। और इस डिजिटल साम्राज्य के आने का ऐलान करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता था कि दुनिया के रईस, चमकदार और ताकतवर लोगों को पांच महीने लंबे शादी के उत्सव में बुलाया जाए।

मुकेश अंबानी के तीन बच्चों में सबसे छोटे अनंत अंबानी ने मार्च में अपनी शादी की धूमधाम शुरुआत कर दी थी। शादी के पहले एक पार्टी हुई, जिसमें मशहूर डांसर रिहाना ने परफॉर्म किया था। इस शादी समारोह का समापन मुंबई में दो दिनों तक चला था। इस शादी के कार्यक्रमों में बॉलीवुड के कलाकारों के साथ कार्दशियन परिवार भी शामिल हुआ। ये जस्टिन बीबर के प्री-वेडिंग फंक्शन के दो हफ्ते बाद हुआ था। इस बीच, शादी की पार्टी एक यूरोपीय क्रूज पर भी गई थी, जिसमें इटली में बैकस्ट्रीट बॉयज़ और कान्स में कैटी पेरी शामिल हुए थे। अंबानी के डिजिटल बिजनेस में अहम निवेशक मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक. के मार्क जुकरबर्ग से लेकर उन्हें 5जी उपकरण देने वाली कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के बॉस जय वाई ली तक, इन समारोहों में शामिल होने वाले लोगों को भारत के कॉर्पोरेट जगत में अंबानी परिवार के रुतबे की याद दिलाई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरी शादी पर कुल 600 मिलियन डॉलर खर्च हुए हैं। अंबानी परिवार के अपने न्यूज़ मीडिया में इस शादी की झलकियां दिखाई हैं। मेहमान क्या तोहफे लाए, यह तो पता नहीं, लेकिन दूल्हे के करीबी दोस्त 18 कैरेट गुलाबी सोने की ऑडेमर्स पिगेट घड़ियां वापस लौटे।

इस दौरान मुकेश अंबानी की जियो के 48 करोड़ से ज्यादा कस्टमर्स को इस महीने से डाटा के लिए 21 फीसदी ज्यादा भुगतान करना पड़ रहा है। इस पर सोशल मीडिया पर मीम्स तो बन गए, लेकिन असली सवाल ये है कि आखिर इस वक्त इतना पैसे का दिखावा क्यों? खासकर, जब ब्राज़ील दुनिया के सबसे अमीर लोगों से उनकी संपत्ति का सालाना 2फीसदी टैक्स लेने का प्रस्ताव ला चुका है। भारतीय स्टील कारोबारी लक्ष्मी मित्तल ने अपनी बेटी की शादी के लिए 2004 में पेरिस के टीयुलरीज गार्डन और लुई सोलहवें के वर्साय के महल को किराए पर लिया था। ये शादी उस समय हुई थी, जब लक्ज़मबर्ग की कंपनी आर्सेलर एसए को खरीदने की बोली जीती थी। उस शादी में भी 6 दिनों में 60 मिलियन डॉलर खर्च हुए थे। लेकिन वह अलग मामला था।

अंबानी परिवार ने शादी में न सिर्फ दिखावे में नया रिकॉर्ड बनाया बल्कि ज्यादातर खर्चा भारत में ही किया और वह भी ऐसे समय में, जब देश का राजनीतिक माहौल अशांत है और भारत के अरबपति राज की बढ़ती असमानता की हर तरफ आलोचना हो रही है। पीएम नरेंद्र मोदी की सत्ता पर पकड़ पिछले महीने उनकी पार्टी के संसदीय बहुमत खोने के बाद कमजोर हो गई है। चुनाव प्रचार के दौरान नेता राहुल गांधी ने मोदी पर लगातार हमले किए कि वे सिर्फ दो व्यापारियों, अंबानी और गौतम अडाणी के लिए ही काम कर रहे हैं।

कुछ अर्थशास्त्री इसे भारत के कलंकित पूंजीवाद का 2ए वैरिएंट कहते हैं। उनका कहना है कि एक छोटे से समूह को पसंद करना भारत में विदेशी निवेश घटने और प्राइवेट पूंजी खर्च के ठहरने का एक कारण है। कोई भी राष्ट्रीय चैंपियनों के खिलाफ जाना नहीं चाहता। यह देखना दिलचस्प है कि क्या बदली हुई राजनीतिक स्थिति मुकेश अंबानी के उपभोक्ता साम्राज्य को और ज्यादा कंपटीशन का सामना करने के लिए मजबूर करेगी। नरेंद्र मोदी नवविवाहित जोड़े को बधाई देने पहुंचे, जैसा कि प्रमुख विपक्षी नेताओं ने किया लेकिन राहुल गांधी दूर रहे। मुकेश अंबानी अपने प्रतिद्वंदी अडाणी से बढ़त हासिल करने के लिए कुछ जोखिम उठा रहे हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले आठ महीनों में 43फीसदी की बढ़त को बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। अडाणी बंदरगाहों, हवाई अड्डों, डेटा सेंटरों और निर्माण सामग्री जैसे बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं हैं। वह चाहते हैं कि इस दशक के अंत तक हर तीन में से एक भारतीय उनके नए सुपर-ऐप पर हो लेकिन वह टेलिकॉम या पेमेंट जैसी बड़े कंज्यूमर उद्योगों में अंबानी से मुकाबला किए बिना उन्हें कैसे आकर्षित कर पाएंगे? यही वह चीज़ है जिसे मुकेश अंबानी को बचाकर रखना है। वॉल्ट डिज़्नी कंपनी की भारत में टीवी फ्रेंचाइजी के साथ अपने मीडिया कारोबार को मिलाने के बाद, उनकी बॉलीवुड और क्रिकेट पर पकड़ मजबूत हो गई है, ये दो चीजें हैं जो दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

क्वांट म्युचुअल फंड में फ्रंट रनिंग के आरोपों के बाद सेबी ने कहा प्रबंधन कंपनियां जल्द लागू करें सख्त नियम

नई दिल्ली।

क्वांट म्युचुअल फंड में फ्रंट रनिंग की आशंका के चलते संस्थागत प्रक्रिया व्यवस्था का क्रियान्वयन तेज कर दिया है। इस व्यवस्था का मकसद फ्रंट रनिंग और फर्जी लेनदेन के जरिये होने वाला बाजार का दुरुपयोग रोकना है। व्यवस्था को अप्रैल में सेबी की बैठक में मंजूरी मिली थी। इसे अधिसूचित होने के छह महीने बाद लागू होना था लेकिन सेबी ने जून में बैठक में नया रास्ता बताया, जिसमें बड़ी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) से कहा कि यह व्यवस्था जल्द लागू करें। सेबी की बैठक की घोषणा के समय इसका जिक्र नहीं हुआ था लेकिन बैठक के एजेंडे का ब्योरा जारी होने पर इसका पता चला।

बाजार नियामक ने एजेंडा पत्र में कहा है कि कुछ बड़ी एएमसी छह महीने की मियाद से पहले ही संस्थागत प्रक्रिया व्यवस्था लागू कर सकती हैं। सेबी एक एएमसी के ट्रेड में फ्रंट रनिंग के आरोपों की जांच कर रहा है और इन आरोपों के कारण ही एएमसी में संस्थागत प्रक्रिया का क्रियान्वयन तेज किया जा सकता है। सेबी की 27 जून को हुई बैठक फ्रंट रनिंग के आरोप में क्वांट म्युचुअल फंड के परिसरों की तलाशी के करीब हफ्ते भर बाद हुई। पिछले हफ्ते ऐसेट मैनेजर ने स्वीकार किया कि सेबी की खोजबीन नियमित कवायद नहीं थी ब?ल्कि अदालत की मंजूरी वाली तलाशी और जब्ती कार्रवाई थी।

जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा कि इस फंड कंपनी पर फ्रंट रनिंग के आरोप लगने के साथ ही सेबी ने अपने बोर्ड को संस्थागत प्रक्रिया व्यवस्था के क्रियान्वयन की जानकारी देने और बड़ी फंड कंपनियों में इसे जल्द लागू कराने का फैसला लिया। सूत्रों ने कहा कि ज्यादातर बड़े फंड कंपनियां इसके लिए तैयार हैं। नियामक ने म्युचुअल फंड उद्योग पर सतर्कता बढ़ा दी है। पिछले कुछ सालों में देशभर के परिवारों से बड़ी मात्रा में रकम फंड कंपनियों तक पहुंचने लगी है। उद्योग के द्वारा संभाली जा रही परिसंपत्ति (एयूएम) 2021 के शुरुआती दौर से दोगुनी हो चुकी हैं। मार्च 2020 में 2.1 करोड़ म्युचुअल फंड ग्राहक थे, जिनकी संख्या अब दोगुनी से ज्यादा होकर 4.6 करोड़ हो गई है।

प्रस्तावित व्यवस्था की अधिसूचना नियामक ने अभी जारी नहीं की है। इसका मकसद फ्रंट रनिंग जैसे संवेदनशील जानकारी का फ्रंट रनिंग जैसा दुरुपयोग और कदाचार रोकने के लिए एएमसी में एकसमान निगरानी और आंतरिक नियंत्रण स्थापित करना है। इसके तहत नियामक ऐसे मामलों में एएमसी प्रबंधन पर ज्यादा जिम्मेदारी और जवाबदेही भी डालेगा। यह व्यवस्था म्युचुअल फंड के संगठन एम्फी द्वारा कामकाज के लिए तैयार की गई मानक प्रक्रिया पर आधारित होगी। अभी यह नहीं पता कि एम्फी ने सेबी को यह प्रक्रिया भेजी है या नहीं। अभी सभी फंड कंपनियों के पास निगरानी की अपनी-अपनी व्यवस्था है। सेबी के निर्देश के मुताबिक बाजार में कारोबार के दौरान फंड मैनेजरों और डीलरों की पूरी बातचीत रिकॉर्ड की जाती है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद नियामक इसमें ढील दे सकता है।

आईसीसी रैंकिंग : सूर्यकुमार दूसरे स्थान पर बरकरार, जायसवाल छठे स्थान पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं जबकि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायवाल छठे स्थान पर पहुंच गए। रुतुराज गायकवाड़ टी20 बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान के नुकसान से आठवें पायदान पर हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 श्रृंखला में भारत की 4-1 की जीत के बाद रैंकिंग को अपडेट किया गया है। श्रृंखला में 141 रन बनाने वाले जायसवाल को चार स्थान का फायदा हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे हैं। सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में जिंबाब्वे दौरे पर भारतीय टीम की अगुआई करने वाले शुभमन गिल पांच पारियों में 170 रन बनाकर श्रृंखला के शीर्ष स्कोरर रहे। वह 36 स्थान की लंबी छलांग के साथ 37वें स्थान पर हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई भारतीय शीर्ष 10 में नहीं है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ श्रृंखला से अक्षर पटेल को ब्रेक दिया गया था और वह चार स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर खिसक गए हैं। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और वाशिंगटन सुंदर को रैंकिंग में फायदा हुआ है। तीन मैच में आठ विकेट चटकाने वाले मुकेश 36 स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पांच मैच में आठ विकेट हासिल करने वाले सुंदर 21 स्थान की छलांग के साथ 73वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के आदिल राशिद टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के एनरिच नोर्किया और श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा का नंबर उनके बाद आता है। टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या चार स्थान के नुकसान से छठे स्थान पर खिसक गए जबकि अक्षर एक स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर हैं। सुंदर और शिवम दुबे आठ और 35 स्थान के फायदे से क्रमश- 41वें और 43वें स्थान पर हैं। श्रीलंका के हसरंगा ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर चल रहे हैं।

वापसी के लिए तैयार शमी ने जारी किया नेट अभ्यास का वीडियो

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। शमी एकदिवसीय विश्वकप के बाद से ही चोटिल होने के कारण टीम से बाहर चल रहे थे पर अब वह फिट हो गये हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें वह नेट्स में गेंदबाजी करते हुए दिख रहे हैं। शमी ने इसमें शानदार गेंदबाजी करते हुए विकेट भी उड़ा दिये। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है।

शमी ने इसी साल फरवरी के महीने में अपनी एडी की सर्जरी भी कराई थी। जिसके कारण वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज से भी बाहर थे। वह आईपीएल और टी20 विश्व कप 2024 से भी बाहर थे। शमी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें वह नेट्स में गेंदबाजी करते हुए दिख रहे हैं। उनके इस पोस्ट पर स्पिनर कुलदीप यादव और क्रिकेटर इरफान पठान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। शमी अपनी इस वीडियो में स्टंप उखाड़ते हुए नजर आ रहे है। उन्होंने लिखा है कि में एक बार फिर लय हासिल करने का प्रयास कर रहा हूं। शमी हालांकि श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल नहीं किये जाएंगे। माना जा रहा है कि वह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वापसी कर सकते हैं।

एशिया कप से पहले बोली स्मृति मंधाना, अपनी मानसिकता और जोखिम-गणना का किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप 2024 से पहले अपनी मानसिकता और जोखिम-गणना के दृष्टिकोण के बारे में खुलकर बात की। मंधाना ने खुलासा किया कि उन्हें टी20आई में सरल दृष्टिकोण रखना पसंद है और यही उनकी सफलता की कुंजी रही है। भारतीय टीम आगामी महिला एशिया कप 2024 में भाग लेगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 19 जुलाई से होगी जिसमें भारत और पाकिस्तान एक दूसरे के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आमने-सामने होंगे। गत विजेता टीम इंडिया अपने खिताब की रक्षा करने के लिए टूर्नामेंट की पसंदीदा टीम के रूप में शुरुआत करेगी। मंधाना ने कहा, 'मेरी मानसिकता सिर्फ गेंद की खूबियों के हिसाब से खेलने की है। कभी-कभी आप पहले बल्लेबाजी करते हैं या फिर दूसरे। निश्चित रूप से, जब आप दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, तो आपके सामने वह स्कोर होता है, और आप

अपने जोखिमों की गणना कर सकते हैं, और आप इसके लिए जा सकते हैं। पहली पारी में मुझे लगता है कि टी20 में, यह थोड़ा नुकसानदेह है कि आपको नहीं पता कि आपको क्या करना है। लेकिन मुझे लगता है कि इसे बहुत ज़्यादा जटिल नहीं बनाना चाहिए, बस गेंद की खूबियों के हिसाब से खेलना चाहिए। यह बहुत आसान है, बस इसे सरल रखें। मुझे ऐसा ही लगता है।' महिला टी20आई में पाकिस्तान के खिलाफ मंधाना का रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है। 8 मैचों में मंधाना ने 26.71 की औसत से 187 रन बनाए हैं।

हार्दिक नहीं, सूर्यकुमार यादव श्रीलंका दौरे पर होंगे टी20 टीम के कप्तान !

मुम्बई (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव को श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए टीम के मौजूदा उप-कप्तान हार्दिक पंड्या से पहले भारत का नया टी20ई कप्तान नियुक्त किया जाना तय है। सूर्यकुमार ने रोहित शर्मा का स्थान लिया है, जिन्होंने पिछले महीने कैरेबियन में भारत को टी20 विश्व कप दिलाने के बाद विराट कोहली और रवींद्र जड़ेजा के साथ टी20ई से संन्यास ले लिया था। हालांकि हार्दिक टी20 विश्व कप में रोहित के डिप्टी थे और एक अधिक अनुभवी कप्तान हैं - उन्होंने आईपीएल में गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस का नेतृत्व करने के अलावा तीन वनडे और 16 टी20ई में भारत का नेतृत्व किया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टी20 टीम की कप्तानी हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को सौंपने का विकल्प चुना है। बीसीसीआई सूत्रों का कहना है कि 'लंबी तस्वीर को ध्यान में रखते हुए' इस फैसले पर विचार किया

जा रहा है। सूत्रों ने सुझाव दिया कि चयन पैनल टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए किसी ऐसे खिलाड़ी को नियुक्त करना चाहता है जो लंबे समय तक उपलब्ध रह सके।

श्रीलंका में टी20ई नए कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारत का पहला कार्य होगा, जो टी20 विश्व कप के बाद राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे। इसे अगले टी20 विश्व कप की तैयारी की दिशा में पहले कदम के रूप में भी देखा जा रहा है, जिसकी भारत 2026 में सह-मेजबानी करने वाला है।

बतौर कप्तान सूर्यकुमार यादव

सूर्यकुमार यादव का भारतीय टी20 में कप्तान के रूप में एक उल्लेखनीय रिकॉर्ड है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया का नेतृत्व किया है और दोनों टी20 सीरीज जीती हैं। बतौर कप्तान उनके नाम अब तक 5 जीत और 2 हार का रिकॉर्ड है। सूर्यकुमार ने इन 7 मैचों में कप्तानी करते हुए 300 रन बनाए हैं जिसमें 2 अर्द्धशतक और एक शतक शामिल है।

श्रीलंका के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में टी20 में श्रीलंका पर दबदबा बनाए रखा है। 29 मैचों में से भारत ने 19 बार जीत हासिल की है जबकि 9 बार उसे हार मिली है। 2020 में गुवाहाटी में एक मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। 1979 में पहली बार भिड़ने के बाद से भारत ने श्रीलंका के खिलाफ 168 एकदिवसीय मैच खेले हैं। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ 100 एकदिवसीय जीत पूरी करने से एक कदम पीछे है। उन्हें 57 में हार मिली जबकि 11 मैचों का कोई नतीजा नहीं निकला। फरवरी 2012 में एडिलेड ओवल में एक मैच टाई पर समाप्त हुआ था।

रोहित, विराट और बुमराह को छोड़कर अन्य सभी के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य : बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए खाली समय में घरेलू क्रिकेट खेलना जरुरी नहीं है। वहीं ने बोर्ड के नये नियम के अनुसार अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य है। अगर वे ऐसा नहीं करते तो राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पायेंगे। टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए हर एक खिलाड़ी के लिए कम से कम एक घरेलू मुकाबला खेलना जरुरी है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने गत वर्ष कहा था कि नये नियम के अनुसार सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य है। साथ ही कहा था कि आईपीएल के लिए घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं की जा सकती है। साथ ही कहा कि जब खिलाड़ी अंतराष्ट्रीय सीरीज नहीं खेल रहे हों तो उन्हें अपनी घरेलू टीम की तरफ से मैच में खेलने के लिए उपलब्ध रहना होगा। पिछले साल श्रेयस अय्यर और ईशान किशन ने घरेलू क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद से ही ये दोनो टीम से बाहर हैं। इन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं मिला है। वहीं रोहित, विराट और बुमराह को बीसीसीआई की तरफ से जारी सूची से अलग रखा गया है। इसके आलावा जितने भी टीम में जगह बना चुके या बाहर बैठे खिलाड़ी हैं, सबके लिए बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि कम से कम एक घरेलू मैच तो खेलना होगा।

कपिल देव की ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों को सलाह

नई दिल्ली - भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान और भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) के अध्यक्ष कपिल देव ने बुधवार को ओलंपिक जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को 26 जुलाई से शुरू हो रहे खेलों के महाकुंभ में स्वच्छंद होकर खेलने की सलाह दी और उम्मीद जताई कि देश पेरिस में दोहरे अंक में पदक जीतेगा। पेरिस में भारत का प्रतिनिधित्व 117 सदस्यीय दल करेगा और देश को तोक्यो में जीते सात पदकों की संख्या को बेहतर करने की उम्मीद है। ट्रिनिटी गोल्फ चैंपियन्स लीग (टीजीसीएल) के दूसरे सत्र की घोषणा के मौके पर कपिल ने कहा, 'मैं किसी खिलाड़ी के लिए कुछ नहीं कह सकता, लेकिन मैं उन्हें शुभकामनाएं दे सकता हूं और उम्मीद करता हूं कि हम इस साल और अधिक पदक जीतेंगे और यह महत्वपूर्ण है।' 'उन्होंने कहा, 'सभी को (भारतीय खिलाड़ियों) मेरी सलाह होगी कि वे जाएं और खुद को जाहिर करें, स्वच्छंद होकर खेलें। हम क्यों उम्मीद नहीं करेंगे कि हम दोहरे अंक में पदक जीतेंगे।' कपिल ने हालांकि भारतीय क्रिकेट और नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर पर टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने कहा, 'अगर गौतम गंभीर वह पद (भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद) संभाल रहे हैं तो मैं उन्हें और टीम को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे पहले से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। मैं भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं।' गोल्फ के शौकीन कपिल ने उम्मीद जताई कि देश में यह खेल आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा, 'जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह इस ऊंचाई पर पहुंचेगा। मुझे उम्मीद है कि एक दिन गोल्फ भी क्रिकेट की ऊंचाइयों पर पहुंच जाएगा।'

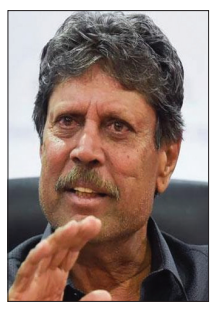

ओलंपिक में भारत को भाला फेंक, मुक्केबाजी और बैडमिंटन में अधिक पदकों की उम्मीद रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को 27 जुलाई से शुरु हो रहे पेरिस ओलंपिक में पिछले बार से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। पिछले बार हुए टोक्यो ओलंपिक में भारत को एक स्वर्ण सहित कुल सात पदक मिले थे जबकि इस बार भारत को अधिक पदकों की उम्मीद रहेगी। इस बार भारतीय दल में 100 से अधिक खिलाड़ी शामिल हैं। भारत को मुक्केबाज , जैवलिन थ्रो, भारोत्तोलन और बैडमिंटन व हॉकी में पदक जीतने की उम्मीद है। इससे पहले टोक्यो में भारत के नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता था। इस बार भी उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना रहेगा। वहीं भारोत्तोलन में महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में मीराबाई चानू पदक की दावेदारी पेश करेंगी। उन्होंने टोक्यो में रजत पदक जीता

था। ऐसे में अब उनसे स्वर्ण की उम्मीद है। महिला बैडमिंटन स्टार पी.वी. सिंधु ने ओलंपिक में रजत और कांस्य पदक जीता है। इस बार उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना रहेगा। बैडमिंटन में एच.एस. प्रणय, लक्ष्य सेन समेत कई अन्य स्टार खिलाड़ी भी दल में शामिल हैं। ऐसे में भारत को बैडमिंटन में भी दो-तीन पदक की उम्मीद है।

वहीं मुक्केबाजी की बात करें तो इसमें भारत का प्रदर्शन हमेशा अच्छा रहा है। इस बार भारतीय दल से कम से कम दो-तीन पदकों की उम्मीद है। अनुभवी निखत जरीन, लवलीना बोरगोहेन सहित अमित पंघाल जैसे मुक्केबाज जीत के इरादे उतरेंगे। इसके अलावा मनु भाकर भी बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। भाकर एकमात्र ऐसी एथलीट हैं जो एक से अधिक व्यक्तिगत स्पर्धाओं, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में भाग ले रही हैं और कई पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता था। इस बार उसका लक्ष्य पदक के रंग को बदलना रहेगा।

शौर्य बावा मिस्र के मोहम्मद जकारिया से हारे, विश्व जूनियर स्क्वाश में कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली। भारत के शौर्य बावा ने ह्यूस्टन में चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप के लड़कों के एकल सेमीफाइनल में मिस्र के शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद जकारिया से 0-3 से हारने के बाद कांस्य पदक हासिल किया। बावा पिछले साल के उपविजेता जकारिया से 41 मिनट तक चले रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में 5-11 5-11 9-11 से हार गए। कुश कुमार (2014 में) के बाद बावा विश्व जूनियर सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं। लड़कियों के वर्ग में अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थी। भारत की 16 वर्ष की राष्ट्रीय चैम्पियन को मिस्र की नादियां इल्हामामी ने 11-8, 11-9, 5-11, 10-12, 13-11 से हराया था।

पेरिस ओलंपिक में पदक का रंग बदलने उतरेंगे : ललित

बेंगलुरू । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी ललित उपाध्याय को उम्मीद है कि इस बार उनकी टीम अपने पदक का रंग बदलने में सफल रहेगी। भारतीय टीम ने पिछले ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इस बार हालांकि भारतीय टीम को कठिन ग्रुप मिला है। इसमें उसके पूल चरण में ही ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना जैसे दिग्गजों से मुकाबला करना है। ललित ने कहा ,''ओलंपिक में पूल पर ध्यान देना सही नहीं है क्योंकि सभी टीमें पूरी तैयारी के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आती हैं। ऐसे में हम मैच के हिसाब से रणनीति बनायेंगे और हर मैच में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे।' भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक से पहले मानसिक मजबूती के लिए स्विटजरलैंड के माइक होर्न्स बेस में तीन दिवसीय शिविर के बाद नीदरलैंड में अभ्यास मैच भी खेलेगी। भारतीय टीम को ओलंपिक में पूल बी के पहले मैच में 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से जबकि 29 जुलाई को अर्जेंटीना, 30 जुलाई को आयरलैंड और एक अगस्त को बेल्जियम और दो अगस्त को पूर्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला करना है। इस खिलाड़ी ने कहा कि सभी उत्साहित है और टीम को पदक जीतने का पूरा भरोसा है।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका और पाकिस्तान के दौरे की पुष्टि की, जारी किया शेड्यूल

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने पुष्टि की है कि वे इस साल की गर्मियों में श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ एक सफेद गेंद की श्रृंखला की मेजबानी करेंगे, साथ ही इस साल के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहले से घोषित आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला की भी मेजबानी करेंगे। आईसीसी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार कीवी पुरुष टीमों ने बुधवार को अपने ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें टीमें नवंबर के अंत से लेकर अप्रैल की शुरुआत तक अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करेंगी। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला 28 नवंबर को क्राइस्टचर्च में शुरू होगी जिसमें न्यूजीलैंड नए साल के दोनों ओर श्रीलंका के खिलाफ एक सफेद गेंद की श्रृंखला और मार्च के मध्य से पाकिस्तान के खिलाफ आठ और सफेद गेंद की प्रतियोगिताएं जोड़ेगा। न्यूजीलैंड की पुरुष टीम के लिए यह एक व्यस्त सफेद गेंद का कार्यक्रम है, जिसमें कीवी टीम ने पाकिस्तान में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी आयोजन से ठीक पहले फरवरी में दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला की पुष्टि की है। व्हाइट फर्न्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इन मैचों के बीच श्रीलंका के खिलाफ भी छह मैच खेलेगी, जबकि एशियाई टीम मार्च में न्यूजीलैंड का दौरा करेगी।

भारतीय दल को सर्वश्रेष्ठ सुविधा देने का प्रयास कर रहे, फिर भी हो रही आलोचना: पीटी उषा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक में भाग ले रहे खिलाड़ियों को उनकी पसंद का सहयोगी स्टाफ मुहैया कराने के लिए खेल मंत्रालय, आईओए और राष्ट्रीय महासंघों ने मिलकर बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने इस शानदार तालमेल पर गौर नहीं करने के लिए आलोचकों को लताड़ भी लगाई।

खेल मंत्रालय ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए 117 खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को मंजूरी दी है। इनमें निजी कोच, मानसिक ट्रेनर और फिजियोथैरेपिस्ट भी शामिल हैं। आईओए विशेष रूप से प्रसिद्ध खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व में गठित 13 सदस्यीय खेल विज्ञान टीम भी दल के साथ भेज रहा है।

उषा ने कहा, 'आईओए में हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं, जहां खिलाड़ी हमारी योजना और तैयारियों के केंद्र में हैं। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के बीच सामान्य 3-1 अनुपात के बजाय हमने इसे 1:1 अनुपात से थोड़ा बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत की है।' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की हर मांग पूरी करने के प्रयासों के बावजूद कुछ रिपोर्टों में काम की नकारात्मक तस्वीर पेश करना निराशाजनक है। उषा ने कहा, 'खेल मंत्रालय और इसकी इकाइयों, राष्ट्रीय खेल महासंघों और कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ मिलकर आईओए ने शानदार टीमवर्क से काम किया है। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ लोगों ने इस तरह के तालमेल को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है।'

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले छह पहलवानों में से एक अंतिम पंघाल कथित तौर पर अपने चार सदस्यीय सहायक स्टाफ के लिए वीजा का इंतजार कर रही हैं, जिससे उनके अभ्यास में बाधा पड़ रही है। उषा ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगी कि खिलाड़ियों के गैर मान्यता प्राप्त सहयोगी स्टाफ के लिए वीजा में और देरी न हो और वह भारत में फ्रांस के दूतावास के साथ अंतिम के कोच भगत सिंह, फिजियोथेरेपिस्ट हीरा और स्पारिंग पार्टनर विकास का मुद्दा उठाएंगी। उषा ने इसके लिए अब भंग कर दी गई तदर्थ समिति को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा, 'कुश्ती का संचालन करने वाली (आईओए द्वारा नियुक्त) तदर्थ समिति ने ओलंपिक खेल आयोजन समिति को भेजे गए नामों की लंबी सूची में अंतिम के कोच या फिजियोथेरेपिस्ट का नाम शामिल नहीं करने का फैसला किया।' उषा ने कहा, 'यह अजीबोगरीब

है कि खिलाड़ियों, कोच और सहयोगी स्टाफ की लंबी सूची को मंजूरी देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों ने भगत सिंह या हीरा या विकास को शामिल करने की सिफारिश करना उचित नहीं समझा।'

टेस्ट में दो बार भारतीय टीम के छह खिलाड़ी शून्य पर ही आउट हुए

मुम्बई । टेस्ट क्रिकेट में अब तक 8 अवसरों पर एक पारी में किसी टीम के 6 बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल पाये। भारतीय टीम के साथ ये दो बार हुआ है। अगस्त 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट की पहली पारी में भारतीय टीम 152 रन पर आउट हो गई थी। तब मुरली विजय, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा, भुवनेश्वर कुमार और पंकज सिंह शून्य पर ही आउट हुए थे। तब कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने 71 और आर अश्विन ने 40 रन बनाए थे। इंग्लैंड की ओर से स्टुअर्ट ब्रॉड ने 25 रन देकर 6 विकेट लिए थे. जनवरी 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में एक बार फिर भारतीय टीम के 6 बल्लेबाज 0 पर आउट हुए थे। इस मैच में यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मो. सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा 0 पर आउट हुए थे। टेस्ट क्रिकेट में न्यूजीलैंड टीम के 6 बल्लेबाज एक बार शून्य पर आउट हुए हैं। नवंबर 2018 के दुबई टेस्ट में न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में 90 रन पर आउट हो गई थी। तब रॉस टेलर, हेनरी निकोलस, कॉलिन डि ग्रैंडहोम, ईश सोढ़ी, नील वेगनर और ट्रेंट बोल्ट 0 पर आउट हुए थे।

पहाड़ों की चादर ओढ़े मेघालय

शिलांग भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है। भारत के पूर्वोत्तर में बसा शिलांग हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसे भारत के पूरब का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। पहाड़ियों पर बसा छोटा और खूबसूरत शहर पहले असम की राजधानी था। असम के विभाजन के बाद मेघालय बना और शिलांग वहां की राजधानी। लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर में मौसम हमेशा खुशगवार बना रहता है। मानसून के दौरान जब यहां बारिश होती है, तो पूरे शहर की खूबसूरती और निखर जाती है और शिलांग के चारों तरफ के झरने जीवंत हो उठते है।

शिलांग के अधिकांश लोग खासी नामक जनजाति के हैं। इस जनजाति? के ज्यादातर लोग ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। खासी जनजाति के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस जनजाति में महिला को घर का मुखिया माना जाता है। जबकि भारत के अधिकांश परिवारों में पुरुष को प्रमुख माना जाता है। इस जनजाति में परिवार की सबसे बड़ी लड़की को जमीन जायदाद की मालकिन बनाया जाता है। यहां मां का उपनाम ही बच्चे अपने नाम के आगे लगाते हैं।

चेरापुंजी भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय का एक शहर है। यह शिलांग से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान दुनिया भर में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं। यह स्थान दुनियाभर में सर्वाधिक बारिश के लिए जाना जाता है। इसके नजदीक ही नोहकालीकाई झरना है, जिसे पर्यटक जरूर देखने जाते हैं। यहां कई गुफा भी हैं, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लम्बी हैं। चेरापूंजी बांगलादेश सीमा से काफी करीब है, इसलिए यहां से बांगलादेश को भी देखा जा सकता है।

ऐसा नहीं है की जब भी आप को अपनी छुट्टियाँ मज़ेदार बनानी हो आप गोवा या किसी हिल स्टेशन की ओर निकल पड़ें। भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में भी आपको बेहद सुकून और शांति के अहसास का आनंद मिल सकता है । जी हाँ, अगर आप को माइंड रिफ्रेश करना हो और कुछ दिनों के लिए आप भाग दौड़ से दूर स्ट्रेस फ्री मूड में रहना चाहते हैं तो मेघालय से अच्छी कोई जगह हो ही नहीं सकती।

मेघालय यानि 'बादलों का घर', जिसका नाम ही इतना ताज़गी भरा हो सोचिये ज़रा वो जगह भी कितनी शानदार होगी। मेघालय में जो रुहानी राहत और मानसिक शांति मिलती है वो तो बस अनमोल ही है। यहाँ की मनोरम वादियाँ देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हुए बिना नहीं रह पायेगा। मेघालय की प्राकृतिक सुन्दरता ही है जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। यहाँ का वातावरण भी बहुत ही मनमोहक और ताज़गी से भरपूर होता है। बारिश के दिनों में तो वर्षा से भरे बादलों के बीच मेघालय की पहाड़ियां बहुत दिल लुभावनी दिखाई देती हैं।

मेघालय में घूमने के लिए बहुत सी शानदार जगहें हैं जहाँ प्रकृति की असली सुन्दरता बहुत ही भव्य रूप में नज़र आती है।

शीतल शिलॉंग

मेघालय का कैपिटल शिलॉंग पर्यटकों का सबसे महत्वपूर्ण टूरिज्म डेस्टिनेशन है। और भला ऐसे कैसे हो सकता है कि आप भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जायें और शिलॉंग न देखें । शिलॉंग जाये बिना तो आपके घूमने का मज़ा अधुरा ही रह जायेगा। शिलॉंग की लाजवाब खूबसूरती और यहाँ की ऊँची-ऊँची पहाड़ियां आप का दिल चुरा लेंगी। शिलॉंग जाने के लिए बारिश का मौसम बहुत ही उत्तम होता है। शिलॉंग की किसी पर्वत चोटी पर खड़े हो कर पूरे शहर का अद्वितीय नज़ारा लिया जा सकता है। शिलॉंग में अनेक मनोरम स्थल हैं जिन में वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड और मिनी चिड़ियाघर प्रमुख हैं। लेकिन यहाँ पर सबसे ज़्यादा प्रसिद्द है एलीफैंट वाटर फॉल जो बहुत ही खूबसूरत है और साथ ही यहाँ पर लोग एयर बैलून का भी पूरा लुत्फ़ उठाते हैं।

चंचल चेरापूंजी

चेरापूंजी नाम सुनते ही बचपन में पढ़ा जियोग्राफी का वो चैप्टर याद आ जाता है ना जिसमे हमने पढ़ा था 'चेरापूंजी में सबसे ज़्यादा बारिश होती है'। सोचिये कितना रोमांच भरा होगा ऐसी जगह को हकीकत में देखना । चेरापूंजी पर्यटकों का फेवरेट स्पॉट है। चेरापूंजी में माकडॉक और डिमपेप घाटी का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। चेरापूंजी की बारिश की बूंदे तन-मन को ऐसे भिगो देंगी की दिल ताज़गी से भर उठेगा। चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया सफ़ेद झरना बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत है। इसके अलावा चेरापूंजी का माउलंग सीम पीक एक ऐसा

स्थान है जो यात्रियों के लिए रहस्य, रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हज़ार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है।

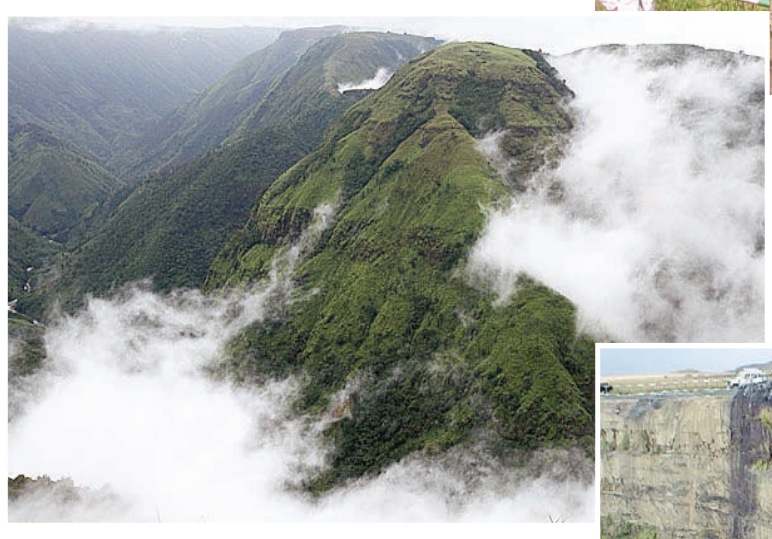

मेघालय में पाई जाने वाली गारो पहाडियों में तो मानसून के मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जायेगा। मानसूनी सीजन के वक्त यहाँ बादल हमेशा बने रहते हैं। खासी और जेंतिया पहाड़ी की ऊंचाई पर एक विशेष प्रकार का मौसम रहता है, जिसमें हल्की ठंडक हद्द्ध्हद्द है। विंटर में यहां तेज़ सर्दी पड़ती है। इसके साथ ही रामकृष्ण का मंदिर, नोखालीकाई वॉटर फॉल, वेल्श मिशनरियों की दरगाहें, ईको पार्क, डबल ड्रेकर रूट ब्रिज और चेरापूंजी मौसम विभाग वैधशाला देखने लायक स्थान हैं। चेरापूंजी में होने वाली तेज़ बारिश से यहाँ की चट्टानों में दरार पड़ गई है और सभी ढलानों पर झरने का दृश्य बेहद मनोरम है।

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं।

पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यह यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है।

चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यह मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यह कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं।

मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

आरक्षण पर बवाल, प्रदर्शनकारियों पर हमला 6 की मौत, 200 से ज्यादा घायल

ढाका । बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आरक्षण का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर सरकार समर्थक बीएनपी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस को आंसू गैस के गोले और लाठियां बरसानी पड़ी। गोली चलाये जाने की भी खबर है। इस झगड़े में 6 लोगों की मौत हो गई है। 200 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल हो गए हैं। जिनका अस्पतालों में इलाज चल रहा है। 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में शामिल स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को सरकारी नौकरी में 30 फ़ीसदी का आरक्षण मिलता था। प्रदर्शनकारी इस आरक्षण का विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था, यह आरक्षण समाप्त किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों से नाराज प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने आंदोलनकारियों पर हमला कर दिया। 2018 में बांग्लादेश सरकार ने इस आरक्षण को बंद कर दिया था। पिछले माह हाईकोर्ट ने 30 फ़ीसदी कोटा पुन: बहाल कर दिया था। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को स्थगित कर दिया है। इसके बाद भी जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए पुलिस को आंसू गैस और लाठी चार्ज करना पड़ रहा है। वहीं सरकार समर्थक और शेख हसीना की पार्टी के कार्यकर्ता प्रदर्शनकारियों पर हमला कर रहे हैं।

पेरू में बस खाई में गिरी, 26 लोगों की मौत

लीमा। दक्षिणी पेरू के अयाकुचो क्षेत्र में एक यात्री बस दुर्घटना में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को अयाकुचो क्षेत्र के कैंगालो प्रांत के पारस जिले में लॉस लिबर्टाडोरेस राजमार्ग पर एम्प्रेसा टूरिज्मो मोलिना यूनियन एसएसी का वाहन सड़क से उतरकर लगभग 200 मीटर गहरी खाई में गिर गया। राष्ट्रीय पुलिस सड़क सुरक्षा प्रभाग के प्रमुख जॉनी रोलांडो वाल्डेरामा के अनुसार, बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। स्थानीय स्वास्थ्य सुविधाओं, अग्निशमन विभाग और पुलिस स्वास्थ्य सेवा ने पांच एम्बुलेंस दुर्घटना स्थल पर भेजी। पेरू के सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में एक क्षतिग्रस्त बस खाई में पड़ी हुई दिखाई दे रही है, तथा जमीन पर मलबा बिखरा हुआ है। दुर्घटना का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पेरू में होने वाली 70 प्रतिशत दुर्घटनाएं मानवीय कारणों से होती हैं।

पाकिस्तान में कोयला खदान ढहने से तीन खनिकों की मौत

कराची । पाकिस्तान में कोयला खदान ढहने से तीन खनिकों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घटना पेशावर से 35 किलोमीटर दूर स्थित दर्रा आदम खेल शहर में हुई। हादसे का शिकार हुए खनिक खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत के शांगला जिले के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और तीनों मृत खनिकों के शव निकाले। इसके अलावा, चार अन्य घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। घटना पर दुख व्यक्त कर खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जाहिर की और घायल खनिकों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

इजरायल ने अलग-अलग जगह हमले कर 40 को उतारा मौत के घाट

गाजा। हमास के मीडिया कार्यालय ने दावा किया है कि गाजा पट्टी में इजरायली सेना द्वारा किए गए दो अलग-अलग हमलों में कम से कम 40 फिलिस्तीनी मारे गए। बयान में कहा गया है कि सेंट्रल गाजा में मंगलवार को नुसेरात शरणार्थी शिविर में संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध अल-रज़ी स्कूल में एक हमले में 23 फिलिस्तीनी मारे गए, जबकि 73 अन्य घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि इजरायली हवाई हमले से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई। हमले में स्कूल आंशिक रूप से नष्ट हो गया। मीडिया कार्यालय ने कहा कि दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस के अल-मवासी इलाके में हुए एक दूसरे हमले में 17 फिलिस्तीनी मारे गए और 26 अन्य घायल हो गए। सुरक्षा सूत्रों ने समाचार एजेंसी को बताया कि यहां सैकड़ों विस्थापित परिवार टेंट में रह रहे थे। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर, इजरायली वायु सेना (आईएएफ) ने नुसेरात के क्षेत्र में यूएनआरडब्ल्यूए स्कूल में रह रहे सक्रियआतंकवादियों पर हमला किया। इसमें कहा गया है कि आईएएफ ने पश्चिमी खान यूनिस में इस्लामिक जिहाद की नौसेना इकाई के एक कंपनी कमांडर पर भी हमला किया। उधर वेस्ट बैंक में इजरायली सेना ने जेनिन में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। स्थानीय मीडिया द्वारा प्रकाशित फुटेज में दिखाया गया है कि एक इजरायली सैन्य ट्रक, जिस पर फ़िलिस्तीनी लाइसेंस प्लेट लगी हुई थी और जिसमें एक दर्जन से ज्यादा सैनिक सवार थे, शहर में घुस आया। इसके बाद इजरायली सेना ने जेनिन के तलत अल-दाबूस इलाके में धावा बोला और इन लोगों को उनके घरों से गिरफ्तार कर लिया।

जापान में लोगों को दिन में 1 बार हंसना है बेहद जरूरी?

- सेहत की देखभाल करने का खास तरीका इजाद किया

टोक्यो । जापान वो देश है, जिसके एक प्रांत में दिन में एक बार हंसना बेहद जरुरी है। यहां इस तरह का कानून बना दिया गया है। ये विचित्र मगर कारगर कानून को बाकायदा पास किया गया है। पिछले हफ्ते जापान के यामागाटा पर्फेक्चर में प्रशासन ने अपने लोगों की सेहत की देखभाल करने का खास तरीका इजाद किया है। प्रशासन ने ये कानून बना दिया है कि अब लोगों को दिन में कम से कम 1 बार जरूर हंसना पड़ेगा। दरअसल, इस नियम को बनाने के पीछे एक रिसर्च है, जिसे हाल ही में वहां की यूनिवर्सिटी में किया गया है। यामागाटा यूनिवर्सिटी की रिसर्च में ये दावा किया गया है कि हंसने से सेहत पर बहुत फायदा होता है। दिल की बीमारियां इससे कम होती हैं और इंसान की आयु भी बढ़ती है। इस कानून के तहत हंसने पर जबरदस्ती जोर नहीं दिया जा रहा है, हालांकि, इसके जरिए नागरिकों को दिनभर खुशहाल माहौल बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कानून के तहत कार्यस्थलों को भी हल्का-फुल्का माहौल बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अब हर महीने की 8वीं तारीख को हास्य दिवस के रूप में मनाया जाएगा। एक तरह इस कानून से प्रशासन बेहतर माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है, दूसरी तरफ प्रशासन को इस कानून से आपत्ति है। जैपनीज़ कम्यूनिस्ट पार्टी ने आरोप लगाया है कि ये कानून इंसान की आजादी का हनन करता है। विपक्ष का कहना है कि हंसने का अधिकार या न हंसने का अधिकार संविधान के द्वारा दिया हुआ अधिकार है। कॉन्स्टिट्यूशनल डेमोक्रैटिक पार्टी की ओर से कहा गया है कि ये कानून उन लोगों का ख्याल नहीं रखता, जो किसी बीमारी, जुल्म, या दुख की वजह से नहीं हंसते। दूसरी ओर प्रशासन का बार-बार कहना है कि ये प्रोत्साहन के तौर पर बनाया गया कानून है, आदेश नहीं।

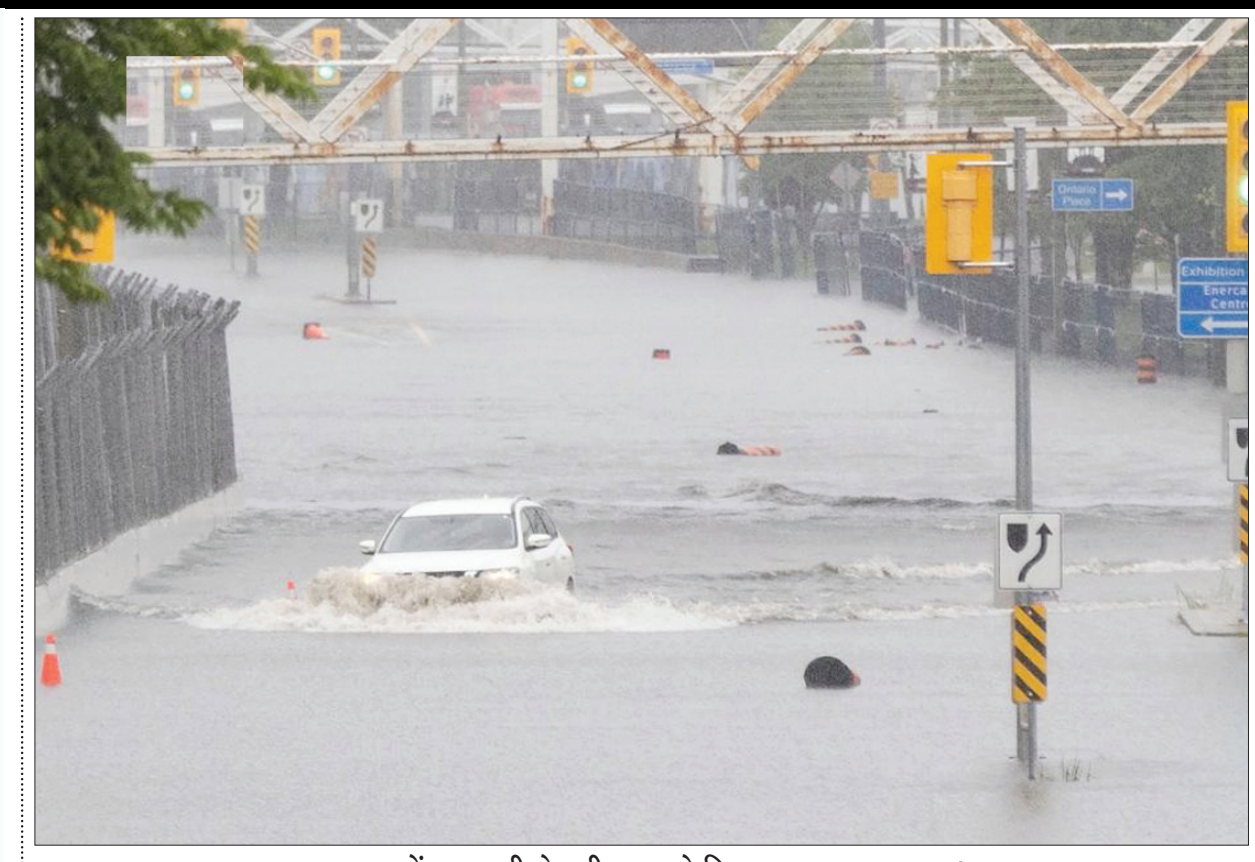

कनाडा में एक पानी से भरी सड़क से निकलता हुआ एक वाहन।

क्या ट्रंप के हमले के पीछे.... कासिम सुलेमानी लिंक

वाशिंगटन । अमेरिकी खुफिया अधिकारियों को हाल के हफ्तों में एक शख्स से खुफिया जानकारी मिली थी कि ईरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है। बताया गया कि यह ईरान के जनरल कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए किया जा रहा है। इसकारण सीक्रेट सर्विस ने पूर्व राष्ट्रपति के इर्द-गिर्द सुरक्षा बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक मामले से जुड़े कई लोगों ने बताया कि इसका कोई संकेत नहीं है कि थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की जो कोशिश की थी, वह इस साजिश से जुड़ा था। बहरहाल कयास लग रहा है कि एक शत्रुतापूर्ण विदेशी खुफिया एजेंसी से ट्रंप की जान को खतरा होने की खुफिया सूचना के बाद उनकी बढ़ी हुई सुरक्षा के बावजूद कैसे उन पर इतना घातक हमला हो गया। यह सूचना रैली में सुरक्षा चूक के बारे में नए सवाल खड़े करती है। कैसे एक 20 साल का शख्स ट्रंप की रैली के पास की छत पर पहुंचकर गोलियां चलाने में कामयाब रहा, जिससे पूर्व राष्ट्रपति घायल हो गए। वहीं एक अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि सीक्रेट सर्विस और ट्रंप के चुनाव अभियान को पहले खतरे के बारे में पता चल गया था। अधिकारी ने बताया कि सीक्रेट सर्विस को इस खतरे से बढ़ते स्तर के बारे में पता चला था। सीधे वरिष्ठ स्तर पर जिम्मेदार सुरक्षा अधिकारियों के इसके बारे में संपर्क करके आगाह किया गया था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे ट्रंप की सुरक्षा में कोई कोताही न हो।

रिपब्लिकन पार्टी की भारतीय-अमेरिकी नेता निक्की हेली ने डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया

मिलवाउकी (एजेंसी)। रिपब्लिकन पार्टी की भारतीय मूल की नेता निक्की हेली ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया है जिससे प्राइमरी चुनाव के दौरान उनकी कटु प्रतिद्वंद्विता के बाद अब एकता का संदेश मिलता है।

हेली (52) ने रिपब्लिकन पार्टी की ओर से 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए ट्रंप (78) को चुनौती दी थी तथा महीनों तक उनके खिलाफ प्रचार किया था लेकिन बाद में इस दौड़ से हटने की घोषणा की थी। उन्होंने पिछले सप्ताह अपने 97 डेलीगेट को पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में ट्रंप के लिए वोट करने का निर्देश दिया था और पार्टी में एकता का आह्वान किया था। हेली ने यहां मिलवाउकी में 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' में दिए अपने संबोधन में कहा, ''मैं एक बात बिल्कुल स्पष्ट करना चाहूंगी। डोनाल्ड ट्रंप को मेरा पुरजोर समर्थन प्राप्त है।''

इस सम्मेलन में पर्याप्त संख्या में

'डेलीगेट' (मतदाताओं के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाला व्यक्ति) के वोट हासिल करने के बाद ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार बन गए हैं। वह बृहस्पतिवार को नामांकन स्वीकार करने हुए अपना संबोधन देंगे। हेली ने हजारों डेलीगेट और पार्टी नेताओं से कहा कि ट्रंप देश के लिए सबसे अच्छे उम्मीदवार हैं और रिपब्लिकन नेता निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन को हराने के लिए एकजुट हैं।

उन्होंने अपने भाषण में पूर्व राष्ट्रपति की विदेश नीति का बचाव किया और उनसे कुछ मुद्दों पर असहमति रखने वाले मतदाताओं से सीधे बात की। उन्होंने कहा, ''कुछ अमेरिकी हैं जो डोनाल्ड ट्रंप से 100 फीसदी सहमत नहीं है। उन्हें मेरा संदेश स्पष्ट है - ट्रंप के लिए वोट करते समय आपको उनसे 100 फीसदी सहमत होने की जरूरत नहीं है।'' हेली ने कहा, ''हमारा देश एक अहम मोड़ पर है। हमें किसी को चुनना होगा। एक साल से अधिक वक्त से मैंने कहा है कि जो बाइडन के लिए वोट करने का मतलब कमला हैरिस के लिए वोट करना है। हमारे देश की खातिर हमें डोनाल्ड ट्रंप को चुनना होगा।'' हेली के भाषण के वक्त ट्रंप सम्मेलन केंद्र में मौजूद थे। जब हेली ने भाषण शुरू किया तो ट्रंप और सीनेटर जे डी वेंस ने उनके सम्मान में खड़े होकर तालियां बजायीं।

भारतीय-अमेरिकी नेता ने कहा, ''जब बराक ओबामा राष्ट्रपति थे तो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने क्रीमिया पर आक्रमण किया। जब जो बाइडन राष्ट्रपति हैं तो पुतिन ने पूरे यूक्रेन पर ही हमला कर दिया। लेकिन जब डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति थे तो पुतिन ने कुछ नहीं किया। कोई आक्रमण नहीं, कोई युद्ध नहीं। पुतिन ने यूक्रेन पर हमला नहीं किया क्योंकि वह जानते थे कि डोनाल्ड ट्रंप सख्त हैं। एक मजबूत राष्ट्रपति युद्ध शुरू नहीं करता है। एक मजबूत राष्ट्रपति युद्ध रोकता है।'' भारतीय-अमेरिकी उद्यमी से नेता बने विवेक रामास्वामी ने भी सम्मेलन से पहले देशवासियों से ट्रंप के लिए वोट करने को कहा। उन्होंने कहा कि ट्रंप ऐसे राष्ट्रपति होंगे जो असल में देश को एकजुट करेंगे और वह भी महज बातों से नहीं, बल्कि कुछ कर दिखाने के बाद।

मेक इन इंडिया ब्रह्मोस से ड्रैगन को आंखें दिखाएगा ये देश

मनीला (एजेंसी)। चीन और फिलीपींस के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन को निशाने पर लेने के लिए फिलीपींस को भारत निर्मित ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की जरूरत है। फिलीपीन मरीन कॉर्प्स (पीएमसी) ने 2026 तक तट-आधारित सुपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल की दो अतिरिक्त बैटरियों के साथ अपनी तटीय सुरक्षा को मजबूत करने की योजना बनाई है। पीएमसी को पहले से ही तीन ब्रह्मोस बैटरियां मिलने वाली हैं। प्रत्येक बैटरी में चार लॉन्चर होते हैं। हर लॉन्चर 290 किमी तक टार्गेट को हिट कर सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलीपींस की संभावित अतिरिक्त खरीद से भारत के रक्षा निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और ब्रह्मोस की मार्केटिंग होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि फिलीपीन सेना (पीए) मिसाइलों की खरीद पर मंथन कर रही है, जो संभावित रूप से फिलीपींस को भूमि और नौसैनिक हमलों के लिए हथियार प्रदान करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रह्मोस मिसाइल की उच्च गति और लंबी दूरी तक मारने की क्षमता समुद्री खतरों के खिलाफ एक दुर्जेय हथियार बनाता है। इससे फिलीपींस की तटीय रक्षा को मजबूती मिलेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मनीला की चीन के साथ और दिल्ली की हिमालय में चीन के साथ झड़पों के बीच फिलीपींस और भारत के बीच रक्षा संबंध गहरे हुए हैं। फिलिपींस को ब्रह्मोस निर्यात करने का निर्णय एक रणनीतिक बदलाव का प्रतीक है। चीन के साथ अपने तनावपूर्ण संबंधों के कारण हिंद महासागर से परे हिंद-प्रशांत क्षेत्र तक अपना प्रभाव बढ़ा रहा है।

2024 में रिपोर्ट दी थी कि फिलीपींस ब्रह्मोस मिसाइलों के लिए एक बेस बनाकर दक्षिण चीन सागर में अपनी रक्षा स्थिति को मजबूत कर रहा है। अगर फिलीपींस अतिरिक्त ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का विकल्प चुनता है, तब यह अमेरिका और सहयोगी रक्षा योजनाकारों को संकेत देगा कि वह चीन की सैन्य शक्ति के खिलाफ जितना असहाय लगता है, उतना नहीं है।

शिया मुस्लिमों का चल रहा था धार्मिक कार्यक्रम, अचानक मस्जिद में होने लगी गोलीबा

मस्कट (एजेंसी)। इमाम अली मस्जिद के पास गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी और चार पाकिस्तानी नागरिकों की जान चली गई, जबकि 28 अन्य घायल हो गए। मस्कट में भारतीय दूतावास ने एक्स मंगलवार को पोस्ट किया कि 15 जुलाई को मस्कट शहर में हुई गोलीबारी की घटना के बाद, ओमान सल्तनत के विदेश मंत्रालय ने सूचित किया है कि एक भारतीय नागरिक की जान चली गई है और एक अन्य घायल हो गया है। दूतावास अपनी गंभीर संवेदना व्यक्त करता है और परिवारों को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

एक बयान के मुताबिक, सोमवार रात अल-वादी अल-कबीर इलाके में हुई घटना के दौरान सुरक्षा बलों ने तीन हमलावरों को भी मार गिराया। पाकिस्तान ने कहा कि इमाम अली मस्जिद पर ÷आतंकवादी हमले÷ में मारे गए लोगों में चार पाकिस्तानी भी शामिल थे। भारत ने भी कहा कि उसका एक नागरिक मारा गया। हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) आतंकवादी समूह ने ली है।

आईएसआईएस ने इराक, अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे देशों में शिया समारोहों, जुलूसों और उपासकों को बार-बार निशाना बनाया है। लेकिन इसने पहले कभी ओमान में हमले का दावा नहीं किया, जहां शिया अल्पसंख्यक हैं।

ट्रंप के बारे में 'सच बोलना' नहीं बंद करूंगा : बाइडन

लास वेगास (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करने का आह्वान किया। हालांकि, उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि 'ऐसा करने का यह मतलब नहीं है कि हम सच बोलना बंद कर दें।'

लास वेगास में एनएएसीपी सम्मेलन को संबोधित करते हुए बाइडन ने कहा कि देश में राजनीतिक हिंसा से निपटने का मतलब हर तरह के खूनखराबे पर लगाम लगाना, पुलिस की क्रूरता का बेहतर मुकाबला करना और ट्रंप पर बीते सप्ताहांत हुए हमले में इस्तेमाल एआर-स्टाइल राइफल जैसे हथियारों पर प्रतिबंध लगाना होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'देश में एक महत्वपूर्ण चर्चा का समय आ गया है। हमारा राजनीतिक परिदृश्य बहुत गरमा गया है।' 'और चार साल' के नारों के बीच उन्होंने कहा, 'सिर्फ इसलिए कि हमें अपनी राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करनी

चाहिए, क्योंकि यह हिंसा से संबंधित है, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें सच बोलना बंद कर देना चाहिए।' सम्मेलन में राष्ट्रपति अश्वेत मतदाताओं के लिए अपने प्रशासन के समर्थन को प्रदर्शित करते नजर आए, जो डेमोक्रेटिक पार्टी का बड़ा वोट बैंक होने के साथ ही उनके दृढ़ समर्थक भी माने जाते हैं।

उन्होंने राष्ट्रपति के पद पर ट्रंप के कार्यकाल को अश्वेत अमेरिकियों के लिए 'नर्क' करार दिया। बाइडन ने कोरोना वायरस महामारी के कुप्रबंधन, लॉकडाउन के दौरान बढ़ी बेरोजगारी और अश्वेत इतिहास को मिटाने के कथित प्रयासों को लेकर भी पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन पर निशाना साधा। बाइडन ने ट्रंप के 'ब्लैक जॉब्स' का संदर्भ देने का उपहास किया और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का जिक्र करते हुए कहा, 'मुझे यह वाक्यांश पसंद है। मुझे पता है कि 'ब्लैक जॉब' से उनका मतलब क्या है। उनका मतलब अमेरिका की उपराष्ट्रपति से है। वह राष्ट्रपति बनने के भी योग्य हैं।' बाइडन ने देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा का भी जिक्र किया। उन्होंने केतनजी ब्राउन जैक्सन का भी नाम लिया, जो अमेरिका के उच्चतम न्यायालय में नियुक्त होने वाली पहली अश्वेत एवं महिला न्यायाधीश हैं।

बाइडन पिछले महीने ट्रंप के साथ बहस में खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी में राष्ट्रपति पद की उनकी उम्मीदवारी पर उठते सवालों के बीच एनएएसीपी सम्मेलन में पहुंचे। राष्ट्रपति के खराब प्रदर्शन ने उम्र, सेहत और ट्रंप को हराने की उनकी क्षमता को लेकर पार्टी नेताओं और मतदाताओं की चिंता बढ़ा दी है।

हालांकि, बाइडन ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की मांग खारिज कर दी है। उन्होंने दावा किया है कि वह राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए सबसे योग्य व्यक्ति हैं और ट्रंप को एक बार फिर हरा सकते हैं। वहीं, रिपब्लिकन नेता मिलवाउकी में जारी पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ट्रंप के साथ पहले से कहीं अधिक एकजुटता प्रदर्शित करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। बाइडन ने वादा किया कि दूसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में वह मतदान अधिकारों के विस्तार को संसदीय मंजूरी दिलाने का प्रयास करेंगे। वह राष्ट्रपति के तौर पर अपने अब तक के कार्यकाल में ऐसा करने में असमर्थ रहे हैं। उन्होंने चिकित्सा ऋण का निपटारा करने का वादा भी दोहराया।

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में जहाजों पर दो हमले किए

दुबई। लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग की सुरक्षा के लिए नया अमेरिका विमानवाहक पोत तैनात किए जाने के बीच सोमवार को यमन के हूती विद्रोहियों ने दो जहाजों पर हमले किए। इजराइल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से इस मार्ग पर जहाजों को निशाना बनाया जा रहा है। ब्रिटिश और अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, हूती विद्रोहियों के तीन छोटे जहाजों ने यमन के अल हुदायदाह तट के पास पनामा के झंडे वाले और इजराइल के स्वामित्व वाले 'एमटी बेंटली आई' को निशाना बनाया। हूती के तीन जहाजों में से सिर्फ दो पर ही चालक दल थे जबकि एक मानवरहित था। ब्रिटिश सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स सेंटर' (यूकेएमटीओ) ने बताया कि ''कथित मानवरहित पोत दो बार जहाज से टकराया जबकि चालक दल वाले दो पोतों से गोलीबारी की गई।''

रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में ट्रंप के आसपास कड़ी सुरक्षा, नहीं मिलाया किसी से भी हाथ

मिलवाउकी (एजेंसी)। 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' (आरएनसी) में मंगलवार की शाम को पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जे डी वेंस ने अपनी सीट की ओर बढ़ते वक्त उत्साहित डेलीगेट का अभिवादन स्वीकार किया और उनसे हाथ मिलाया जबकि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप कड़े सुरक्षा घेरे के बीच यहां पहुंचे।

वेंस के सम्मेलन केंद्र में पहुंचने के कुछ मिनट बाद ट्रंप आए और सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने उन्हें समर्थकों से अलग रखा। उनके कान पर पट्टी बंधी हुई थी। उन्होंने सम्मेलन केंद्र में मौजूद लोगों से हाथ मिलाने के बजाए कैमरों की ओर मुट्ठी बांधकर हाथ हवा में लहराया।

ट्रंप (78) शनिवार को पेनसिल्वेनिया में एक रैली में उस समय बाल-बाल बच गए, जब 20 वर्षीय एक हमलावर ने उन पर कई गोलियां चलाईं। इस हमले में वह जख्मी हो गए और उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से पर चोट आई।

ट्रंप के प्रचार अभियान दल के अधिकारियों ने इस बढ़ी हुई सुरक्षा के बारे में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और यह भी नहीं बताया कि इससे उनके आगे के सार्वजनिक कार्यक्रमों पर क्या असर पड़ेगा।

उनके प्रचार अभियान दल के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने कहा, ''हम ट्रंप के सुरक्षा विवरण पर टिप्पणी नहीं करेंगे। सभी सवाल यूएस सीक्रेट सर्विस से पूछे जाने चाहिए।''

होमलैंड सुरक्षा मंत्री एलेजांद्रो मेयरकास ने सोमवार को कहा था कि वह 'सुरक्षा या बढ़ायी गयी सुरक्षा की जानकारियों' के बारे में चर्चा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, ''हालांकि, मैं यह कह सकता हूं कि कर्मियों और अन्य सुरक्षात्मक संसाधनों व प्रौद्योगिकी की मदद ली गयी है।''

मंगलवार को दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि हमले से पहले सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप की सुरक्षा बढ़ा दी थी। लेकिन यह अतिरिक्त सुरक्षा उस बंदूकधारी को नहीं रोक सकी, जिसने बगल की छत से गोली चलाई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और ट्रंप के साथ मौजूद दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए। गोली की आवाज से ट्रंप तेजी से झुके लेकिन तब तक उनके कान को छूते हुए एक गोली निकल गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लगातार बारिश से नदियां उफान पर...यूपी में 6, बिहार में 5 और कर्नाटक में 4 की मौत, हरदा में बाइक समेत बहा युवक

मप्र, यूपी, बिहार में जानलेवा बारिश

नई दिल्ली।

देश के कई राज्यों में लगातार बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। नेपाल से सटे उत्तर प्रदेश के 16 जिलों में बाढ़ के हालात लगातार बने हुए हैं। यहां तीन नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। राप्ती नदी, बूढ़ी राप्ती और क्यूनो नदी के उफान पर होने के कारण गोरखपुर, सिद्धार्थ नगर और गोंडा में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा में डूब गया है। यह दुनिया का पहला झुका हुआ मंदिर है। पिछले 24 घंटे में बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण 6 लोगों की मौत हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया कि सभी की मौत डूबने से हुई है। वहीं बिहार में 5 के मरने की खबर है। इसके अलावा कर्नाटक में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड के कारण 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं हरदा में बाइक समेत एक युवक बह गया। बिहार में भी बेतिया, बगहा, सीतामढ़ी, मधेपुरा, अररिया समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 24 से ज्यादा निचले इलाकों के गांव में बाढ़ का पानी घुस चुका है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश समेत 9 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

- भोपाल-हरदा में तेज बारिश

भोपाल में गरज-चमक के साथ तेज बारिश हो रही है। इससे पहले दिन में उमस रही। बुधवार को मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम, आगर-मालवा, मंदसौर, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिले में भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में नीमच, मुरैना, ग्वालियर, छतरपुर के खजुराहो और पन्ना में आकाशीय बिजली गिरने या चमकने और मध्यम गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। इससे पहले हरदा में सुबह 4 घंटे बारिश हुई। आदमपुर और भैरोपुर में सडकों पर दो फीट तक पानी भर गया। एक युवक बाइक समेत नाले में बह गया। खंडवा में सुबह 9 बजे से रुक-रुककर बारिश हो रही है। बैतूल के मुलताई में करीब 11 बजे आधा घंटे तक पानी गिरा। नर्मदापुरम के सिवनी

मालवा में सुबह 6 बजे से करीब 9ः30 बजे तक बारिश हुई। मानसून ट्रफ मध्यप्रदेश से गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और लो प्रेशर एरिया भी एक्टिव है। इस कारण पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम है। बारिश से नर्मदा समेत अन्य नदियां भी उफान पर आ रही हैं। प्रदेश में 21 जून से मानसून ने आमद दी थी, तभी से रुक-रुककर, कभी तेज तो कभी हल्की बारिश हो रही है। आईएमडी भोपाल के वैज्ञानिक अशोक दामले ने बताया- सिस्टम की वजह से अगले पांच दिन तक तेज बारिश का दौर बना रहेगा।

नौकरी देने के नाम पर बेरोजगारों को ठगने वाला गिरोह पकड़ाया, नकली स्टॉम्प व 11 मोबाइल जब्त

नई दिल्ली ।

देश में आज इतनी बेरोजगारी बढ़ गई है कि एक पोस्ट के लिए हजारों उम्मीदवार होते हैं। पढ़े-लिखे युवा आज नौकरी के लिए भटक रहे हैं जहां भी वैकेंसी निकलती है वह पहुंच जाते हैं। बेरोजगार युवाओं का फायदा आजकल फर्जी जॉब कंसल्टेंसी सर्विसेज कंपनी उठा रही है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जहां नोएडा पुलिस ने बेरोजगार युवकों को ठगने वाली एक फेक जॉब कंसल्टेंसी सर्विसेज का भंडाफोड़ किया है। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने चार महिलाओं समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है साथ ही धोखाधड़ी की योजना में इस्तेमाल समान भी बरामद किया हैं। पुलिस ने बताया यह गिरोह बरौला और होशियारपुर इलाके में करीब डेढ़ साल से ऑफिस चला रहा था। गिरोह के लोग नौकरी पाने वालों को ओप्पो और सैमसंग जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी दिलाने का वादा करता था। उनसे पंजीकरण और फाइल प्रोसेसिंग शुल्क के तौर पर दो हजार से 2500 रुपए तक लेता था। पीड़ितों को कभी भी कोई नौकरी नहीं मिला है। गिरोह धोखाधड़ी करने के लिए विज्ञापन करने के लिए पैम्फलेट, पोस्टर और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करता था। गिरोह ने कई सोशल मीडिया अकाउंट बनाए, जिनका इस्तेमाल वे रिफंड मांगने वाले पीड़ितों को धमकाने के लिए करते थे। गिरोह ने करीब 2500 लोगों को ठगा है। पुलिस ने बताया कि गिरोह ने नौकरी चाहने वालों की मजबरी का फायदा उठाया, उन्हें पता था कि बहुत से लोग छोटी रकम के लिए कानूनी कार्रवाई नहीं करेंगे। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए लोगों की पहचान पीयूष भाटी, रोहित कुमार, रोहित चंदेला, अनामिका राठौर, लक्ष्मी मिश्रा, शिखा कुशवाह और सबा के रूप में हुई है। गिरोह के सदस्यों के पास से 11 मोबाइल, पांच नकली स्टाम्प, एक नकली आधार कार्ड, कई पंजीकरण और बायोडाटा फॉर्म, जाली ज्वाइनिंग लेटर, तीन रजिस्टर, एक इंटरव्यू बुक, ऑफिस पैम्फलेट, रसीदें, 2840 रुपए नकद और दो कारें बरामद की है। पुलिस अब आगे की कार्रवाई कर रही है।

कजाकिस्तान में गुप्त सैन्य अड्डा बना.....पीओके पर बुरी नजर रख रहा चीन

नई दिल्ली ।

पूर्वी लद्दाख में भारतीय सेना के हाथों चीन को मिली विफलता के बाद, अब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर अपनी नज़रें गड़ाए हुए है। हाल ही में उपग्रह तस्वीरों में साफ हुआ है कि चीन कजाकिस्तान में 13 हजार फीट की ऊँचाई पर एक गुप्त सैन्य अड्डा बना रहा है, जो कि पीओके के काफी करीब है। इस अड्डे में चीन आर्टिलरी को भी जमा करने की योजना बना रहा है।

चीन ने रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर निराधार बताया है। चीनी दूतावास ने स्पष्ट किया है कि कजाकिस्तान में सैन्य अड्डे से संबंधित सभी खबरें गलत हैं और यह मुद्दा चीन-कजाकिस्तान एजेंडे में भी नहीं है।

लेकिन सच यह हैं कि चीन हमेशा से विस्तारवादी मानसिकता का पालन करता रहा है और पड़ोसी देशों की भूमि पर कब्जा करने के प्रयास में जुटा रहता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन पिछले कई सालों से कजाकिस्तान में इस सैन्य अड्डे का निर्माण कर रहा है। यह कजाकिस्तान, जो कि सोवियत संघ से अलग होकर स्वतंत्र बना है, में स्थित है। इस सैन्य अड्डे पर निगरानी टॉवर भी स्थापित किए गए हैं। यह स्थान अफगानिस्तान की सीमा के निकट है और रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम है। चीन इस सैन्य अड्डे के माध्यम से मध्य एशिया

में अपनी पकड़ को मजबूत करने के प्रयास में जुटा है। कजाकिस्तान में स्थित यह अड्डा न केवल सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह क्षेत्रीय प्रभाव को बढ़ाने में भी सहायक होगा।

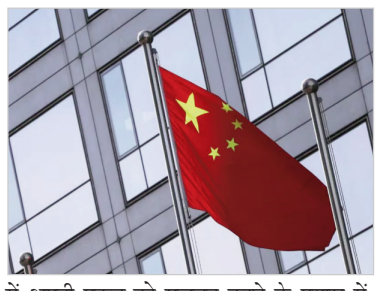

पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना के तहत 4,500 आवेदन को ही मंजूरी

नई दिल्ली ।

पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना के तहत कोविड-19 से अनाथ हुए बच्चों के लिए 9,300 से अधिक आवेदन आए थे, लेकिन 4,500 को ही मंजूरी मिली है, इसकी जानकारी अधिकारियों ने दी। महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, योजना के तहत 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 613 जिलों से 9,331 आवेदन प्राप्त हुए थे। लेकिन 4,781 आवेदन यानी 51 प्रतिशत आवेदन खारिज किए गए, जबकि 18 आवेदन की स्वीकृति पेंडिंग हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मई 2021 में कोविड-19 महामारी के चरम के दौरान शुरू की गई पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना का उद्देश्य उन बच्चों की सहायता करना था, जिन्होंने 11 मार्च 2020 से 5 मई 2023 के बीच महामारी में अपने माता-पिता, कानूनी अभिभावक, दत्तक माता-पिता या जीवित माता-पिता को खो दिया था। योजना के तहत 9,300 से अधिक आवेदन मिले थे, लेकिन मंत्रालय ने केवल 4,500 को ही मंजूरी दी है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि बाकी आवेदनों को खारिज क्यों किया है। इस योजना के तहत सबसे ज्यादा आवेदन राजस्थान से मिले, जहां से कुल 1553 आवेदन आए। लेकिन मंजूरी सिर्फ 210 को ही मिली। इसके बाद महाराष्ट्र (1511 आवेदन, 855 मंजूर) और उत्तर प्रदेश (लगभग 1000 आवेदन, 467 मंजूर) का स्थान रहा। बता दें, योजना का मकसद कोरोना महामारी में माता-पिता खो चुके बच्चों को 23 साल की उम्र तक आर्थिक मदद देना है। योजना के अनुसार, 18 साल की उम्र में हर बच्चे के लिए 10 लाख रुपये का फंड बनाया जाएगा। इसके बाद अगले 5 साल तक उन्हें हर महीने मिलने वाली राशि से अपने खर्चों का मैनेजमेंट करने में मदद मिलेगी। 23 साल की उम्र पूरी होने पर उन्हें यह रकम भविष्य में इस्तेमाल करने के लिए एकमुश्त मिलेगी।

जीतन ने ब्याज पर आरोपियों को दिए थे पैसे, लेनदेन को लेकर हुई हत्या

- सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद मामले में पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

पटना।

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश साहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने जांच के बाद दावा किया कि ब्याज पर लिए गए पैसों के लेनदेन को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया है।

पुलिस ने घटना के बाद चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इनसे पूछताछ में पुलिस को बड़ी जानकारी हाथ लगी है। पुलिस के मुताबिक मृतक जीतन साहनी के घर पर सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। इसके मुताबिक रात 10.30 से 11 बजे के बीच घर में चार लोग जाते दिख रहे हैं। कुछ देर घर में रहने के बाद सभी बाहर निकले। इनकी पहचान कर इन्हें हिरासत में लिया गया है। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। इन संदिग्धों के मोबाइल डिटेल्स, मृतक के साथ लेनदेन, देर रात घर में जाने के कारण की पूछताछ की गई है। पूछताछ में अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी मिली है।

जांच में पता चला है कि चार में से दो लोगों ने जीतन साहनी से ब्याज पर पैसा लिया था। इनमें से एक ने बाइक जीतन के पास गिरवी रखी है। ये लोग रात में बाइक छुड़ाने जीतन से बात करने पहुंचे थे। चार में से दो लोगों की पहले भी जीतन से कहासुनी हो चुकी थी। जीतन को सबक सिखाने की धमकी भी दी गई थी। हत्या के पीछे इन विवादों और लेनदेन को मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ा रही है।

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की बिहार के दरभंगा जिले में उनके घर में मंगलवार को हत्या कर दी गई थी। दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक टीम मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है। बता दें बिहार सरकार में मंत्री रहे मुकेश सहनी वीआईपी के प्रमुख हैं। वीआईपी विपक्षी गठबंधन इंडिया गठबंधन का सहयोगी दल है।

केंद्रीय कृषि मंत्री का आरोप, झारखंड सरकार से मिल रहा घुसपैठियों को संरक्षण

रांची ।

केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड बीजेपी के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला।

रांची के हटिया विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी की विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रखा है। इस वजह से राज्य की डेमोग्राफी बुरी तरह प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा इस विधानसभा चुनाव के बाद यह सरकार फिर आ गई तो यह तय है इस राज्य के मूल निवासी आने वाले दिनों में अल्पसंख्यक हो जाएंगे।

चौहान ने कहा कि इस राज्य की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को बचाने के लिए विधानसभा चुनाव में बीजेपी हो जितना जरूरी है। लोकसभा चुनाव में हमने राज्य की 14 में से 9 सीटें जीतीं और 81 में 50 विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल की। विधानसभा चुनाव में भी हम 'महाविजय' प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का परिणाम साधारण परिणाम नहीं है, तभी तो तीसरी बार मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं। पीएम मोदी की गारंटी पर जनता ने मुहर लगाई है।

सामने वाले 99 पर खुश हैं। आप इसी पर खुश रहिए, शासन हम चलाते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि पांच साल पहले जब राज्य में रघुवर दास के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार थी, उस वक्त राज्य के किसानों को खेती के लिए प्रति एकड़ पांच हजार रुपए की आर्थिक मदद दी जाती थी। मौजूदा सरकार ने इसे खत्म कर दिया। उन्होंने महिलाओं के नाम पर पचास लाख तक की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री मात्र एक रुपए में करने की व्यवस्था लागू की थी। इस सरकार ने महिलाओं से उनकी यह सहुलियत भी छीन ली।

पीएम मोदी की सरकार ने राज्य में जल नल योजना के लिए करोड़ों की राशि दी, लेकिन इस सरकार ने उसका दुरुपयोग किया। इस राज्य में जल नल योजना की हालत सबसे खराब है। चौहान ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने राज्य में आपराधिक घटनाओं का आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि हत्या, लूट, बलात्कार और दंगे की घटनाएं बढ़ी हैं।

संक्षिप्त समाचार

रिटायर फौजी निकाला पीएनबी बैंक लूट का आरोपी

इंदौर । इंदौर में पंजाब नेशनल बैंक में दिनदहाड़े 6.64 लाख की लूट एक सिक्योरिटी गार्ड (रिटायर फौजी) ने की थी। सीसीटीवी फुटेज में गार्ड नकाब और रेनकोट पहने दिखा था। पुलिस ने आरोपी गार्ड को 1000 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगालते पीछा कर घर ढूंढ़ निकाला। पत्नी ने नकाब और रेनकोट में पति के ही होने की पुष्टि की। लूट के तीन लाख रुपए, रेनकोट, हरे रंग की बाइक, जूते और बंदूक जब्त की है। इंदौर पुलिस का दावा है कि आरोपी 16 जुलाई की दोपहर 4.41 बजे वारदात के बाद अपने घर गया था। लूट का रुपया पत्नी और बेटी को देकर चला गया। आरोपी को तलाश रहे हैं। वारदात में एक ही आरोपी होना पता चला है। बुधवार पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने बताया कि बैंक लूटने वाले गार्ड का नाम अरुण कुमार सिंह है। वे रिटायर फौजी है। 1999 से 2006 तक सेना में रह चुका है। शराबखोरी और स्वास्थ्य के कारणों से अरुण को सेना से बाहर कर दिया था। इसके बाद अरुण सिक्योरिटी गार्ड बन गया। बैंक ऑफ इंडिया की पलासिया ब्रांच पर भी नौकरी कर चुका है। इसकारण आरोपी को बैंक की गतिविधियों के बारे में जानकारी थी।

केदारनाथ में सोना चोरी के दावे पर मंदिर समिति के अध्यक्ष का पलटवार

सबूत है तो सुप्रीम कोर्ट में जाएं

रुद्रप्रयाग । ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब होने का दावा किया था। इस पर अब श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सिर्फ सनसनी फैलाना चाहते हैं। सबूत हैं तो वह सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट जाएं और जांच की मांग करें।

विवाद पैदा करना स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की आदत बन गई है: अजेंद्र अजय

अजेंद्र अजय ने कहा कि मैं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का सम्मान करता हूं, लेकिन वह दिन भर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते रहते हैं। विवाद पैदा करना, सनसनी फैलाना और खबरों में बने रहना स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की आदत हो गई है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम में सोना गायब होने पर उनका बयान बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं उनसे आग्रह करता हूं और चुनौती भी देता हूं कि वह तथ्य और सबूत सामने लाएं।

सबूत पेश कर जांच की मांग करनी चाहिए...

उन्होंने आगे कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को बयानबाजी करने के बजाय सक्षम प्राधिकारी से संपर्क कर जांच की मांग करनी चाहिए। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को अधिकारियों के पास जाना चाहिए। सबूत पेश कर जांच की मांग करनी चाहिए। अगर उन्हें सक्षम अधिकारी पर भरोसा नहीं है, तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट में जाना चाहिए।

चावल चोरी में भाजपा नेता गिरफ्तार

बंगलूरू । कर्नाटक भाजपा के नेता मणिकांत राठौड़ को चावल चोरी मामले में गिरफ्तार किया गया है। यह मामला कर्नाटक सरकार की अन्न भाग्य योजना से जुड़ा है। पुलिस ने कलबुर्गी शाहपुर स्थित आवास से भाजपा नेता को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इससे पहले मणिकांत टैगोर को पूछताछ के लिए समन जारी किया था, लेकिन भाजपा नेता पूछताछ के लिए पुलिस के सामने पेश नहीं हुए थे। मणिकांत को 6077 क्विंटल चावल चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। चोरी हुए चावल की कीमत दो करोड़ रुपये से ज्यादा थी। यह चावल यादगिर जिले के एक सरकारी गोदाम से गायब हुआ था। राठौड़ ने साल 2023 में भाजपा के टिकट पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे के खिलाफ चुनाव लड़ा था। हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। अन्न भाग्य योजना के तहत कर्नाटक सरकार हर गरीब परिवार को हर महीने 10 किलोग्राम अनाज मुफ्त देती है।

अभी जेल में ही रहेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत और सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा है। केजरीवाल की नियमित जमानत पर 29 जुलाई को सुनवाई होगी। अदालत ने कहा की अंतरिम जमानत पर फैसला सुरक्षित रखते है। फैसला लिखने में 5-7 का वक्त मिलेगा। इस बीच सुनवाई के दौरान सीबीआई के वकील और केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी के बीच अदालत में तीखी बहस हुई। सीबीआई ने जहां अरविंद केजरीवाल की जमानत का जोरदार विरोध किया वहीं सिंघवी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल समाज के लिए खतरा नहीं हैं।

22 भाषाओं में उपलब्ध होंगी 22 हजार महत्वपूर्ण पाठ्यपुस्तकें

नई दिल्ली ।

देश की 22 क्षेत्रीय भाषाओं में 22 हजार पाठ्यपुस्तकें तैयार होंगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक इसके लिए यूजीसी के नेतृत्व में भारतीय भाषा समिति के सहयोग से अस्मिता की शुरुआत की गई है। अस्मिता का मकसद अगले पांच वर्षों में 22 अनुसूचित भाषाओं में 22000 पुस्तकें तैयार करना है। इसके साथ ही बहुभाषा शब्दकोष का एक विशाल भंडार बनाने की व्यापक पहल हुई है। वहीं तत्काल अनुवाद के उपाय, भारतीय भाषा में तत्काल अनुवाद क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक तकनीकी ढांचे के निर्माण की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। केंद्रीय शिक्षा सचिव के.संजय मूर्ति ने इन 3 महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत की। ये परियोजनाएं अस्मिता (अनुवाद और अकादमिक लेखन के माध्यम से भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री का संवर्धन), बहुभाषा शब्दकोष और तत्काल अनुवाद के उपाय हैं। के.संजय मूर्ति के मुताबिक इन सभी परियोजनाओं को आकार देने में प्रमुख भूमिका प्रौद्योगिकी की होगी, और एनईटीएफ और बीबीएस की इसमें बहुत बड़ी भूमिका होगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें देश भर से 150 से अधिक कुलपतियों ने भाग लिया। कुलपतियों को 12 मंथन सत्रों में बांटा गया था, इसमें से प्रत्येक 12 क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्य पुस्तकों की योजना बनाने और विकसित करने के लिए समर्पित था। प्रारंभिक फोकस भाषाओं में पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बंगाली, उर्दू, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तमिल, तेलुगु और ओडिया शामिल थीं।

मोदी सरकार में शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने नई दिल्ली में उच्च शिक्षा के लिए भारतीय भाषा में पाठ्यपुस्तकों के लेखन पर कुलपतियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और भारतीय भाषा समिति (बीबीएस) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इस मौके पर शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव मूर्ति, भारतीय

भाषा समिति के अध्यक्ष प्रो. चामू कृष्ण शास्त्री, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो.एम. जगदीश कुमार, 150 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रख्यात शिक्षाविद् और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली को देश की विशाल भाषायी विविधता को प्रतिबिंबित करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्रों को उनकी मातृभाषा में ज्ञान प्राप्त हो।

डॉ. मजूमदार ने कहा कि भारतीय भाषाएं राष्ट्र के प्राचीन इतिहास और पीढ़ियों से चली आ रही बुद्धिमत्ता का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ियों का पोषण किया जाना चाहिए और समृद्ध सांस्कृतिक और भाषाई विरासत में उनके विश्वास को मजबूत किया जाना चाहिए।

लाल सागर में हूती विद्रोहियों ने दो जहाजों पर किए हमले, सभी चालक दल सुरक्षित

नई दिल्ली।

यमन के हूती विद्रोहियों ने दो जहाजों पर हमला किया है। इजराइल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग पर जहाजों को निशाना बनाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट में ब्रिटिश और अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक हूती विद्रोहियों के तीन छोटे जहाजों ने यमन के अल हुदायदाह तट के पास पनामा के झंडे वाले और इजराइल के स्वामित्व वाले एमटी बेंटली आई जहाज को निशाना बनाया है। हूती के तीन जहाजों में से सिर्फ दो पर ही चालक दल मौजूद थे जबकि एक मानवरहित जहाज था।

ब्रिटिश सेना ने बताया कि हूती का मानवरहित जहाज दो बार उनके से टकराया जबकि चालक दल वाले हूती के दो जहाजों से उनके जहाज पर गोलीबारी की गई। जहाज ने सुरक्षा कदम उठाये और 15 मिनट के बाद हमले बंद हो गये। बाद में कप्तान ने सूचना दी कि सिलसिलेवार तीन मिसाइल हमले किए गए जो जहाज के पास आकर गिरे। बाद में उसी तट पर एक अलग घटना में लाइबेरिया के झंडे वाले जहाज एमटी चियोस लायन पर एक मानवरहित हूती ड्रोन ने हमला किया।

यह जहाज मार्शल द्वीप के स्वामित्व वाला था जिस पर तेल के टैंकर लदे थे। बताया जा रहा है कि दोनों जहाज और चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। हूती विद्रोहियों ने बेंटली आई और चियोस लायन पर हुए हमलों की जिम्मेदारी ली है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)